RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●02 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक - 304 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

एआई से दुनिया के वैज्ञानिकों पर नजर रखेंगे जिनपिंग

चीन बना रहा 'सुपरमाइंड', टेक्नोलॉजी का सुपरपावर बनेगा ड्रैगन!

बीजिंग (एजेंसी)। आज के समय दुनिया में एआई की बात चल रही है। एआई के मामले में दुनिया के देश प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। चीन अब एक नया एआई 'सुपरमाइंड' बना रहा है जो लाखों पश्चिमी वैज्ञानिकों पर नजर रखने में सक्षम होगा। चीन ऐसा इसलिए करेगा क्योंकी वह टेक्नोलॉजी में सबसे आगे निकलना चाहता है। चीन इसके लिए 22 करोड़ पाउंड का निवेश कर रहा है। शेन्जेन शहर सरकार की ओर से इसके विकास के लिए 22 करोड़ पाउंड से अधिक का निवेश किया जा रहा है। यह चीन को अब तक की सबसे अलग टेक्नोलॉजी के विकास में मदद करेगा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहले कसम खाई थी कि उनका देश विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 2049 तक दुनिया में सबसे आगे निकल जाएगा। चीन का यह नया सुपरमाइंड दुनिया भर के लाखों वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की गतिविधियों पर नजर रखने में सक्षम होगा। न्यूजवीक की रिपोर्ट के मुताबिक इससे वह चीन की मिलिट्री और इंडस्ट्रियल प्रगति के लिए महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने में सक्षम होगा। इसके अलावा वह एआई सिस्टम के जरिए चीन के लिए जरूरी टैलेंट खोजने में मदद करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स का यह डेटाबेस तैयार कर रहा है। उदाहरण के लिए अगर एआई से कहा जाए कि आपको किसी विशेष क्षेत्र में एक्सपर्ट की जरूरत है, तो यह ऐसे सभी लोगों की जानकारी दे देगा। इस सुपरमाइंड का इस्तेमाल दुनिया के टॉप साइंस और टेक्नोलॉजी डेटाबेस से जानकारियां बनाने के लिए भी किया जाएगा। टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्च सिक्योरिटी ऑफिसर केविन गामाचे का कहना है कि यह चीन को बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा।

हिमाचल कांग्रेस में फिर से नया सियासी 'खेल'

- **मंत्री विक्रमादित्य अचानक चंडीगढ़ पहुंचे, बागी विधायकों से मिले, दिल्ली रवाना होंगे**

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में कांग्रेस सरकार का संकट थम नहीं रहा है। सूत्रों के मुताबिक मंत्री विक्रमादित्य की अभी सीएम सुखविंदर सुक्खू से नाराजगी दूर नहीं हुई है। गुरुवार रात को विक्रमादित्य कैबिनेट मीटिंग के बाद अचानक चंडीगढ़ पहुंच गए। जहां उन्होंने एक बड़े होटल में बागी विधायकों से मुलाकात की है। इन विधायकों को कल ही स्पीकर कुलदीप पठानिया ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को वोट देने पर विधानसभा से निष्कासित कर दिया था। हिमाचल कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह अपने निजी काम से गए हैं।

आज एमपी में प्रवेश करेगी राहुल गांधी की न्याय यात्रा

5 दिन में पूर्व सैनिकों,आदिवासी, महिला, किसान युवाओं से करेंगे संवाद

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 2 मार्च को राजस्थान से एमपी में प्रवेश करेगी। मप्र में यह यात्रा 5 दिन रहेगी। मुरैना से शुरू होकर, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन होते हुए रतलाम के बाद राजस्थान में फिर प्रवेश करेगी। राहुल गांधी की यात्रा मप्र में 5 दिनों तक रहेगी। वे मुरैना से उज्जैन तक अलग-अलग समूहों में सात प्रमुख वर्गों के साथ संवाद करेंगे। इनमें अग्निवीर योजना के उम्मीदवारों, पूर्व सैनिकों, किसानों, पटवारी परीक्षार्थियों, एमपीपीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं, महिलाओं से संवाद करेंगे। कांग्रेस ने राहुल गांधी की यात्रा के पूरे रूट पर हर स्थान के लिए एक नेता को जिम्मेदारी दी गई है। स्वागत, रोड शो, नुक्कड़ सभा, दोपहर भोजन, रात्रि विश्राम , संवाद और जनसभा के लिए सीनियर लीडर इंचार्ज बनाए गए हैं। 2 मार्च का पूरा कार्यक्रमः दोपहर 1.30 बजे मुरैना जिले की सीमा में प्रवेश होगा। दोपहर 2 बजे पिपरई में देवपुरी बाबार के पास जेबी ढाबे पर योगेश यादव और सतेंद्र यादव को भारत जोड़ो न्याय यात्रा का ध्वज हस्तांतरण किया जाएगा। दोपहर ढाई बजे मुरैना में अंडर ब्रिज के पास रोड शो होगा। भोपाल कांग्रेस के नेता अवनीश भार्गव, अमित शर्मा मुरैना के कार्यक्रमों के इंचार्ज बनाए गए हैं। शाम 5 बजे यात्रा ग्वालियर पहुंचेगी। यहां चार शहर के नाके पर स्वागत होगा। यहीं से हजीरा चौक तक रोड शो होगा। फिर हजीरा चौक पर ही राहुल गांधी नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे। ग्वालियर के गोल्डन लोटस गार्डन में रात्रि विश्राम होगा। 3 मार्च का कार्यक्रमःग्वालियर में अग्निवीर संवाद के लिए विधायक पंकज उपाध्याय, रिटायर्ड मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव और विंग कमांडर अनुमा आचार्य को प्रभारी बनाया गया है।

'न दबेंगे, न हटेंगे'

पीएम मोदी ने झारखंड में फूंक दिया चुनावी बिगुल

बोले-जेएमएम का मतलब हो गया है-जमकर खाओ

धनबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 'न झुकेंगे, न हटेंगे', गरीबों के घर का चूल्हा जलता रहे, इसे लेकर मुफ्त अनाज की योजना को चालू रखेंगे। पीएम मोदी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर शुक्रवार को धनबाद में चुनाव अभियान का शंखनाद कर रहे थे। बीजेपी की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड में तेज विकास के लिए जरूरी है कि यहां कानून व्यवस्था अच्छी हो, शासन-प्रशासन ईमानदार हो, लेकिन जब से जेएमएम और कांग्रेस की परिवारवदी, भ्रष्टाचारी और तुष्टिकरण वाली सरकार बनी है, तब से यहां स्थितियां बदली हैं। पीएम ने कहा- जेएमएम' का मतलब हो गया है- जमकर खाओ। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी का मकसद है, विकास, विकास और तेज विकास। जबकि कांग्रेस हो या उसके सहयोगी दल, वो विकास के सबसे बड़े दुश्मन है। देश कहा रहा है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। झारखंड के लोग मोदी की ऐसी अनेक गारंटियों के गवाह हैं, जो बीते वर्षों में पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस ने झारखंड की जनता को लूटकर, आपके पसीने की कमाई को लूटकर अपने लिए बेनामी संपत्तियों के पहाड़ बना लिए हैं। आपने देखा कि यहां किस तरह से नोटों की गड्डियां निकल रही हैं।

जेएमएम-कांग्रेस ने बेनामी संपत्तियों के पहाड़ बनाए

पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी का मकसद है, विकास, विकास और तेज विकास। जबकि कांग्रेस हो या उसके सहयोगी दल, वो विकास के सबसे बड़े दुश्मन है। देश कहा रहा है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। झारखंड के लोग मोदी की ऐसी अनेक गारंटियों के गवाह हैं, जो बीते वर्षों में पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस ने झारखंड की जनता को लूटकर, आपके पसीने की कमाई को लूटकर अपने लिए बेनामी संपत्तियों के पहाड़ बना लिए हैं।

झारखंड 'मोदी' की कई गारंटियों का गवाह रहा

पीएम मोदी ने कहा कि जहां दूसरे से उम्मीद खत्म हो जाती हैं, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। झारखंड के लोग मोदी की ऐसे कई गारंटियों के गवाह रहे हैं, जो बीते वर्ष में पूरी हुई। उन्होंने कहा कि देवघर में झारखंड के दूसरे एयरपोर्ट का शिलान्यास उन्होंने साल 2018 में किया। इसके बाद साल 2022 में लोकार्पण का अवसर भी उन्हें ही मिला।

भभुआ से आरजेडी विधायक भरत बिंद एनडीए में शामिल

पटना (एजेंसी)। बिहार में महागठबंधन को फिर झटका लगा है। भभुआ से राजद विधायक भरत बिंद बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बजट सत्र के आखिरी दिन भरत बिंद सत्ता पक्ष के खेमे में बैठे। सदन से बाहर निकलते ही भरत बिंद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के चेंबर में चले गए। इधर, नवादा जिले हिसुआ से कांग्रेस विधायक नीतू सिंह का बड़ा बयान सामने आया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी यदि नवादा लोकसभा सीट से टिकट देती है तो मैं भी बीजेपी जॉइन कर सकती हूं। अभी नवादा से लोजपा से चंदन सिंह सांसद हैं। इससे पहले महागठबंधन के 6 विधायक पाला बदल चुके हैं। जिनमें राजद के 4 और कांग्रेस के 2 विधायक शामिल हैं। महागठबंधन के तीन विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे। इनमें कांग्रेस के दो और आरजेडी का एक विधायक हैं। इसके पहले 12 फरवरी को फ्लोर टेस्ट के दौरान भी आरजेडी के तीन विधायक एनडीए में शामिल हो गए थे। वहीं, राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने बीजेपी से ऑफर पर कहा है कि मैं टस से मस नहीं होने वाला।

समय के बदलते चक्र में वैदिक घड़ी से बढ़ेगा प्रदेश का नामः सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया विक्रमोत्सव-2024 उज्जैन का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समय के बदलते चक्र में उज्जैन में स्थापित दुनिया की पहली वैदिक घड़ी मध्यप्रदेश एवं देश का नाम दुनिया में बढ़ायेगी। अब भारत का समय दुनिया में जाना जायेगा। राज्य सरकार सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित साहित्य का सृजन करने का प्रयास भी कर रही है। सम्राट विक्रमादित्य पर हमें सदैव गर्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कालिदास अकादमी उज्जैन में संस्कृति विभाग स्वराज संस्थान एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव-2024, रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव उज्जैन-2024 और उज्जयिनी व्यापार मेला-2024 का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंचासीन अतिथियों के साथ मां सरस्वती एवं सम्राट विक्रमादित्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एमएसएमई मंत्री चेतन कश्यप, पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी, मुकेश टटवाल मंचासीन थे।

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में जबरदस्त धमाका

- **एक महिला समेत 5 जख्मी, बम डिस्पोजल स्क्वाड मौके पर**

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के लोकप्रिय रेस्तरां रामेश्वरम कैफे में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। कैफे में आग लग जाने से कम से कम पांच लोग घायल हो गए। संदेह है कि एक सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। पुलिस ने यह जानकारी दी है। घायल व्यक्तियों की वास्तविक संख्या के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है। हालांकि पुलिस ने कहा कि कम से कम पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। कुन्दनहल्ली इलाके में स्थित रामेश्वरम कैफे में विस्फोट होने से आग लग गई। पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी स्थिति पर काबू पाने के लिए वहां पहुंच गए हैं। विस्फोट के समय जोरदार आवाज सुनी गई और पड़ोसी दुकानों, फ्रंट ऑफिस और कार्यालयों से लोग मौके पर पहुंचे। विस्फोट के कारण आग लगने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायलों को बचाने और भीड़ को तितर-बितर करने में जुट गई। वहीं, होटल के पास भीड़ जमा होने से रोकने के लिए पुलिस ने निगरानी रखी। धमाका सुनकर प्रत्यक्षदर्शी सहम गए।

अब सोनिया की विरासत संभालेंगी प्रियंका गांधी !

रायबरेली सीट पर पोस्टर बता रहे कांग्रेस की तैयारी

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी अब राजस्थान से राज्यसभा का रुख कर चुकी हैं। इसके बाद से ही रायबरेली सीट को लेक अब पोस्टरबाजी का दौर भी शुरू हो गया है। हालांकि, अब तक कांग्रेस ने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन अटकलें तेज हैं कि राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा इस गढ़ से चुनावी डेब्यू कर सकती हैं। पार्टी ने अब तक यहां उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। वहीं, अमेठी सीट को लेकर भी स्थिति साफ नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर प्रदेश की इस हाईप्रोफाइल सीट पर कई जगह प्रियंका गांधी के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं।

इनमें से एक पोस्टर पर पढ़ा जा सकता है, रायबरेली की यही पुकार प्रियंका गांधी जी अबकी बार। खास बात है कि आजादी के बाद से ही रायबरेली कांग्रेस का गढ़ रहा है। 2019 में यहां से सोनिया गांधी ने जीत दर्ज की थी।

तंबाकू कंपनी पर रेड, 100 करोड़ की कारें मिलीं

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में आयकर विभाग ने तंबाकू कंपनी बंशीधर एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हेड ऑफिस पर छापा मारा। कंपनी के दिल्ली, मुंबई, गुजरात समेत 20 ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है। 29 फरवरी को शुरू हुई छापेमारी का आज दूसरा दिन है। कंपनी मालिक केके मिश्रा की दिल्ली स्थित कोठी से 100 करोड़ से ज्यादा की कारें मिली हैं। इसमें 60 करोड़ से ज्यादा कीमत की लग्जरी कारें हैं। इनमें 16 करोड़ की रोल्स-रॉयस फैंटम कार, लैंबोर्गिनी, फेरारी, मॅकलारेन कारें शामिल हैं। छापेमारी में 100 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी सामने आई है। इसके साथ ही 5 करोड़ रुपए कैश और करोड़ों की बेनामी संपत्ति के डॉक्यूमेंट्स भी मिले हैं। कंपनी कानपुर की टॉप गुटखा कंपनियों को तंबाकू सप्लाई करती है।

पीड़ितों की सेवा ही परमेश्वर की सच्ची सेवाः राज्यपाल

राज्यपाल ने राज्य रेडक्रॉस सोसायटी की वार्षिक साधारण सभा को संबोधित किया

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पीड़ित मानवता की सेवा ही परमेश्वर की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस द्वारा प्रदेश में किए जा रहे कार्य, मानवता की सेवा का माध्यम है। जिला इकाइयां सेवा के इस अभियान में बेहतर से बेहतर कार्य करने का प्रयास करें। रेडक्रॉस गरीबों और पीड़ितों तक चिकित्सा सेवायें पहुंचाने के लिए विशेष कदम उठाएं। श्री पटेल आज राजभवन के सांदीपनि सभागार में स्टेट रेडक्रॉस की वार्षिक साधारण सभा को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ल और रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन डॉ. गगन कोल्हे भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवायें पहुंचाने में रेडक्रॉस की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

रेडक्रॉस शासकीय चिकित्सालयों में आधुनिक उपचार संसाधनों की आपूर्ति में सहयोग के लिए समृद्ध वर्ग को भी जोड़ें। नए कॉलेजों को युवक रेडक्रॉस में पंजीकृत करने का अभियान चलायें। युवाओं को भी सामाजिक सरोकारों के लिए संस्कारित कर योगदान देने के अवसर उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस द्वारा टीबी जागरुकता के अभियान में निक्षय मित्र बनाने का कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया के रोगियों की मदद के लिए जन सहयोग का अभियान चलाए जाने की आवश्यकता बताई। श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए चिकित्सकों और मेडिकल स्टॉफ में संवेदनशीलता बहुत जरूरी है।

चीन का बड़ा दावा-एलएसी पर हालात सामान्य

पेइचिंग (एजेंसी)। चीन ने दावा किया है कि एलएसी बॉर्डर पर भारत के साथ फिलहाल स्थिति सामान्य हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा- 19 फरवरी को दोनों देशों के बीच 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर लेवल मीटिंग हुई थी। इस दौरान भारत-चीन के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। चीन ने कहा- दोनों देशों ने एलएसी को लेकर एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हल निकालने पर सहमति जताई। दरअसल, भारत ने कहा था की चुशुल-मोल्डो बॉर्डर पॉइंट पर 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर-लेवल बैठक में चीन ने देपसांग और डेमचोक के ट्रैक जंक्शन से सेना हटाने की भारत की मांग को ठुकरा दिया। दोनों देशों के बीच तनाव कम करने को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हुआ।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शनिवार 02 मार्च , 2024

संक्षिप्त समाचार

सीएमएचओ डॉ. सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिराली का निरीक्षण किया

हरदा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी. सिंह ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराली का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने ड्यूटी स्टॉफ एवं चिकित्सा अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि टीबी विन सॉफ्टवेयर में अधिक से हितग्राहियों के पंजीयन करें ताकि उन्हें एडल्ट बीसीजी लगाया जा सके। इस दौरान संस्था प्रभारी डॉ. आर. के. चौधरी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र ओनकर एवं महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशिता गुर्जर एवं समस्त अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहा।

वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में बुधवार को वृद्धाश्रम हरदा में निरीक्षण सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रदीप राठौर ने उपस्थित वरिष्ठजनों को नालसा योजना के बारे में जागरूक करते हुए उनसे संबंधित चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। शिविर में श्री राठौर ने वृद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का भी अच्छा होना जरूरी है और हमें अपने मन में सकारात्मक विचार रखना चाहिए तभी हम अवसाद और निराशा का मुकाबला कर सकते है। उन्होने इस दौरान वरिष्ठजनों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री अपर्णा लोधी, वृद्धाश्रम संचालक बी. एस. राजपूत, पैरा लीगल वालंटियर आभा तिवारी एवं कविता कुल्हारे उपस्थित थे।

विश्व श्रवण दिवस 03 मार्च को जिला चिकित्सालय में लगेगा शिविर

रायसेन (निप्र)। राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम अंतर्गत 03 मार्च 2024 को विश्व श्रवण दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय रायसेन में प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें समस्त श्रवण संबंधित रोगियों की जांच व उपचार किया जाएगा।

लघु वनोपज संग्राहकों को बिचौलियों के शोषण से बचाने राज्य सरकार ने पेसा एक्ट किया लागू

सीहोर (निप्र)। लघु वनोपजों का संग्रहण एवं विक्रय दूरस्थ अंचलों में रहने वाले ग्रामीणों के लिये आजीविका का एक मुख्य साधन है। दूरस्थ अंचलों में रहने वाले ग्रामीणों जन लघु वनोपज संग्रहण कार्य से जुड़े हैं, जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक सदस्य जनजातीय वर्ग के हैं। इन लघु वनोपज संग्राहकों को बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए राज्य सरकार ने पेसा एक्ट लागू किया है। संग्रहीत लघु वनोपज का उचित लाभ दिलाने के उद्देश्य से लघु वनोपज का संग्रहण एवं व्यापार अब ग्राम-सभा के माध्यम से किया जायेगा।

आष्टा में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री डॉ यादव हुए शामिल

सीहोर ,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आष्टा में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए मंगल कामना की। इस विवाह सम्मेलन में 748कन्याओं का विवाह धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ। समारोह में 179कन्याओं का निकाह भी कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर-वधु को चेक भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन फिजूलखर्ची रोकने एक अच्छा माध्यम है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में सीमित संख्या में परिजन उपस्थित होकर पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम से अपने बेटे-बेटियों का विवाहकरने से फिजूल खर्ची नहीं होती और इससे धनराशि की बचत भी होती है, जो अपने बच्चों के भविष्य की योजनाओं के लिए उपयोग की जा सकती है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले मैंने भी अपने पुत्र का विवाह किया है। जिसमें 200 अतिथियों को ही आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हा कि संपन्न व्यक्ति अपने बच्चों की शादी में अपने और बच्चों के सपने साकार कर लेते हैं। गरीब मां-बाप के लिए यह सपना ही रह जाता है। और शादी के लिए जमीन बेचने से लेकर कर्ज तक लेना पड़ता है। ऐसे ही गरीब मॉ-बाप की बेटियॉ की शादी पारंपरिक रीति-रिवाज और धूमधाम से करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना चलाई जा रही है। आज निर्धन माता पिता अपनी बेटी की शादी की चिंता से मुक्त हैं। डॉ मोहन यादव ने कहा कि जनता के कल्याण के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत वधु को 55 हजार रूपए शासन की और से दिए जाते हैं, जिसमें 49 हजार रूपए का चेक दिया जाता है।।

जनता के मान-सम्मान में ठेस बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार जनता की सरकार है। गांव, गरीब और किसानों की सरकार है। सरकार चलाने का अर्थ है जनता की सेवा करना और उनके दुख दर्द को दूर करना और समस्यओं का समाधान करना है। हमारी सरकार जनता की सरकार है और जनता मान-सम्मान बढ़ाने के लिए काम कर रही है। डॉ मोहन यादव ने कहा कि जनता के मान-सम्मान को कोई ठेस पहुंचाएं, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सनातन संस्कृति त्याग और सेवा की संस्कृति है : मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में त्याग और सेवा करने वाले लोगों की पूजा की जाती है। पूंजीपतियों का अपना महत्व है लेकिन लोग उनकी पूजा नहीं करते। हमारी संस्कृति यह सिखाती है कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए। सभी भारतीय हमारी सनातन संस्कृति के संवाहक हैं। उन्होंने कहा कि हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति के कारण की राम मंदिर का शिलान्यास और रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे देश में हर्षोल्लास के वातावरण निर्मित हुआ। कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से कहा कि पद पाकर जरा भी अहंकार नही आने दें और वह अपने कार्य, व्यवहार एवं सादगी और सरलता के साथ लोगों की सेवा करने की जनप्रतिनिधियों से अपील की। उन्होंने सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह सूत्र में बंधे सभी नव दंपतियों को संयुक्त परिवार का महत्व बताते हुए सभी को साथ लेकर चलने और पूरे परिवार को एक माला में पिरोकर रखने के लिए कहा। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि किसानों कि लंबित राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महाअभियान पूरे प्रदेश चलाया जा रहा है। राजस्व संबंधी हर काम के लिए समय सीमा निर्धारित कर दी गई है। अब किसानों को अपने काम के लिए पटवारी या तहसीलदार के चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा।

कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रेदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार होने के कारण विकास की गति तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि आज शाम 4-00 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के 17 हजार 500 करोड रुपए के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से कहा कि वे भी प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से जुड़ें और प्रदेश की विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की राशि ट्रांसफर की है। जल्द ही मध्य प्रदेश सरकार भी किसानों के खाते में सम्मान निधि की राशि हस्तांतरित करेगी। इसके साथ ही 01 मार्च को लाडली बहनों के खाते में राशि हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर की भलाई के लिए चलाई जा रही योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।

तय समय पर होगा नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को अब अपनी जमीन के क्रय विक्रय के पश्चात नामांतरण के लिए भटकना नहीं पड़ेगा सरकार द्वारा नामांतरण बंटवारा सीमांकन इन सबके लिए समय निर्धारित कर दिया गया है अब जमीन खरीदने के साथ ही नामांतरण की व्यवस्था कर दी गई है। किसानों को नामांतरण के लिए पटवारी तहसीलदार के चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अब साइबर तहसील की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है जिसके तहत नामांतरण के लिए आवेदन करते ही उनका नाम खाते में दिखने लगेगा और अब राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय में हो जाएगा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय से ''विकसित भारत मोदी जी की गारंटी'' अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आगामी 5 वर्षों में विकसित भारत के लिए जनता से संकल्प पत्र हेतु प्रदेश भर में सुझाव एकत्रित करने के लिए सुझाव पेटियों को रवाना किया। इस दौरान जनता द्वारा सुझाव के लिए मिस्ड कॉल नंबर 9090902024 जारी किया। इस अवसर पर अभियान के संयोजक व विधायक वृजेन्द्र प्रताप सिंह, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अभियान के सह संयोजक जीतू जिराती, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, अभियान के सह संयोजक व इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं कवीन्द्र कियावत मंच पर उपस्थित रहे।

चलित प्रयोगशाला से शासकीय विद्यालय में वितरित होने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता परखी

मिलावट से मुक्ति अभियान

विदिशा (निप्र)। मिलावट से मुक्ति अभियान अंतर्गत जारी खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण व सैंपल लेने की कार्यवाही हेतु कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में चलित प्रयोगशाला द्वारा अटारी खेजड़ा स्थित शासकीय विद्यालय में संचालित मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को जांचा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती किरण श्रीवास्तव ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले स्व सहायता समूह को गंदगी पाए जाने पर साफ-सफाई के निर्देश दिए तथा गुणवत्ता योग्य वाले खाद्य पदार्थों को बनाने हेतु कहा गया। निरीक्षण के साथ-साथ विद्यालय के छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में मिलावट संबंधी जानकारी देकर जागरुक भी किया गया। इसी क्रम में ग्यारसपुर स्थित खाद्य प्रतिष्ठान जीनी रेस्टोरेंट से मावा, रघुवंशी रेस्टोरेंट से जलेबी, नमकीन, चाय पत्ती, कचोरी तथा सागर रोड स्थित जैन साहब का हाईवे ट्रीट होटल से बाफले का आटा, पनीर, छाछ व लस्सी समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा आष्टा के लाइनमेन का किया जाएगा सम्मान

सीहोर (निप्र)। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा देश में लाइनमेनों द्वारा विद्युत क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों और विद्युत क्षेत्र के विकास से देश की तरक्की में किये जा रहे निस्वार्थ योगदान को मान्यता देने के लिए इन्हें सम्मानित किया जायेगा। इन्हें नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में 4 मार्च को आयोजित होने वाले लाइनमेन दिवस समारोह-2024 में सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली में आयोजित होने वाले लाइनमेन दिवस समारोह में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सीहोर वृत्त के आष्टा संभाग में कार्यरत लाइन अटेंडेंट श्री उदय सिंह को सम्मानित किये जाने के लिये चयनित किया गया है। कार्यक्रम के लिये कंपनी के वरिष्ठ प्रकाशन अधिकारी श्री मनोज द्विवेदी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

केम्पस ड्राइव में 140 छात्रों ने लिया भाग

हरदा (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में बुधवार को कमिंग्स इंडिया कंपनी द्वारा कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया गया। ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी विकास भूमरकर ने बताया विभिन्न जिले से आए करीब 140 छात्रों ने कैंपस ड्राइव में भाग लिया। उन्होने बताया कि अंतिम परिणाम 2 दिन के बाद बताए जाएंगे।

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दो दिवसीय विज्ञान पर्व का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दो दिवसीय विज्ञान पर्व का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. मलखान सिंह के निर्देशन में चंद्रशेखर वेंकट रमन द्वारा रमन इफेक्ट की खोज के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान पर्व एनसीएसटीसी, डीएसटी भारत सरकार एवं एमपीसीएसटी भोपाल के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पहले दिन एसएटीआई डिग्री महाविद्यालय से आए प्रो. के.के. पंजाबी सिविल इंजीनियरिंग विभाग एवं प्रो. मनोज दातार विभागाध्यक्ष अप्लाइड केमिस्ट्री ने व्याख्यान दिया। प्रो. के.के. पंजाबी ने सी.वी. रमन एवं भारतीय वैज्ञानिकों पर प्रकाश डाला साथ ही प्रो. दातार ने विज्ञान के सतत विकास पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को विज्ञान का महत्त्व समझाया। व्याख्यान की इसी कड़ी में प्रो. राम आशीष यादव, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र ने रमन इफेक्ट, इसके उपयोग एवं विज्ञान के क्षेत्र में कैरियर की जानकारी दी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर छात्राओं ने विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकों पर प्रस्तुति दी साथ ही मॉडल, प्रश्नोत्तरी एवं वॉल पेंटिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाली छात्राओं को कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी द्वारा ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विनीता प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ़ मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया विक्रमोत्सव-2024 उज्जैन का शुभारंभ

● रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव-उज्जैन 2024 एवं उज्जयिनी व्यापार मेले का हुआ शुभारंभ ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया विक्रम पंचांग का विमोचन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समय के बदलते चक्र में उज्जैन में स्थापित दुनिया की पहली वैदिक घड़ी मध्यप्रदेश एवं देश का नाम दुनिया में बढ़ायेगी। अब भारत का समय दुनिया में जाना जायेगा। राज्य सरकार सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित साहित्य का सृजन करने का प्रयास भी कर रही है। सम्राट विक्रमादित्य पर हमें सदैव गर्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कालिदास अकादमी उज्जैन में संस्कृति विभाग स्वराज संस्थान एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव-2024, रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव उज्जैन-2024 और उज्जयिनी व्यापार मेला-2024 का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित सभ्यता के आदित्य को दुनिया में पहचाना गया है। नागरिक तंत्र स्थापना के प्रथम पुरुष के रूप में सम्राट विक्रमादित्य जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि विक्रमोत्सव सरकार द्वारा समाज को साथ लेकर चलने वाला उत्सव है। उज्जैन काल गणना की नगरी है। साथ ही महाकाल की नगरी भी उज्जयिनी है। हम सनातन संस्कृति के संवाहक हैं। सनातन संस्कृति पर हमें गर्व है। महाकवि कालिदास ने अपने ग्रंथ और काव्यों के माध्यम से उज्जैन की गौरवगाथा का वर्णन किया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अर्ष भारत, वीर भारत, संकल्प न्यास और मण्डला, डिंडोरी, जबलपुर, सतना, जिलों के स्वाधीनता संग्राम सेनानियों पर केन्द्रित पुस्तकों, रामराजा शीर्षक से प्रकाशित पुस्तकों और ओरछा के रामराजा पर केन्द्रित सीडी का विमोचन भी किया।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उज्जैन प्राचीन नगरी है। उज्जैन मध्यप्रदेश ही नहीं समूचे विश्व की एक प्राचीन धरोहर है। यह गौरव की बात है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन ही नहीं पूरे प्रदेश का विकास करने का कार्य कर रहे हैं। उज्जैन को धार्मिक, आध्यात्मिक केन्द्र ही नहीं व्यापार, व्यवसाय एवं प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बनाने का प्रयास भी उनके द्वारा किया जा रहा है। उज्जैन के विकास में सिंधिया परिवार के योगदान उल्लेख करते हुए केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि महाराजा राणोजी सिंधिया द्वारा महाकाल मंदिर निर्माण करवाया गया था और माधव महाराज द्वितीय ने माधवगंज में फ्रीट्रेड फेयर की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि उज्जैन में अपार संभावनाएं हैं। उज्जैन व्यापार मेले की शुरुआत प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश में कृषि के साथ ही फार्मा इंडस्ट्री, टेक्सटाइल के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। श्री सिंधिया ने कहा कि इंदौर के बाद उज्जैन भी आने वाले समय में मिनी बॉम्बे के रूप में पहचाना जायेगा।

शांति समिति की बैठक 05 मार्च को

सीहोर ,(निप्र)। आगामी त्योहारों को शान्ति पूर्वक मनाये जाने के लिए 05 मार्च को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। आगामी त्योहार 08 मार्च को महाशिवरात्रि,24 मार्च को होलिका दहन, 25 मार्च को होली उत्सव, 29 मार्च को गुड फ्रायडे, 30 मार्च को रंगपंचमी, 09 अप्रैल को गुडी पड़वा, चैत्र नवरात्रारम्भ, 10 अप्रैल को चेतीचांद, 11 अप्रैल को ईद-उल-फितर, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती, वैशाखी, 17 अप्रैल को श्रीराम नवमी, 21 अप्रैल को महावीर जयंती, 23 अप्रैल को हनुमान जयंती, 10 मई को परशुराम जयंती, 23 मई को बुद्ध पूर्णिमा तथा 17 जून को ईदुज्जुहा आदि त्यौहारों को शान्ति पूर्वक मनाये जाने के लिए संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय के निर्देशानुसार 05 मार्च को सायं 4.00 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शान्ति समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। सभी संबंधित अधिकारी को नियत समय पर बैठक में उपस्थित होना अनिवार्य है।

शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, उनके आश्रितों का उपचार के लिए निजी चिकित्सालय अधिकृत

सीहोर ,(निप्र)। शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, और उनके आश्रितों की जांच एवं उपचार के लिए निजी चिकित्सालय अधिकृत किये गये है। मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम-2022 के अंतर्गत राज्य के भीतर निजी चिकित्सालयों को सूचीबद्ध करने के लिए राज्य स्तरीय समिति की बैठक विगत माह आयोजित की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि प्रदेश के निजी चिकित्सालयों को नेशनल अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) प्रमाण पत्र की वैधता के अनुसार शासकीय कर्मचारी एवं उनके आश्रितों की जाँच उपचार के? लिए सीजीएचएस भोपाल के पैकेज दर अनुरूप उपचार के लिए सूचीबद्ध किया गया है। शासकीय कर्मचारियों और उनके आश्रितों की जाँच उपचार के लिए राज्य के निजी चिकित्सालयों में बंसल हॉस्पिटल शाहपुरा, मिरेकल्स हॉस्पिटल, गट जीआई एंड लिवर हॉस्पिटल, एल एन मेडीकल कॉलेज एवं जेके हॉस्पिटल, हजेला, सिल्वर लाइन एंड रिसर्च इन्स्टीटयूट हॉस्पिटल भोपाल, एसबीआई केयर एंड लेसीक लेजर सेंटर गायत्री मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, विजन केयर एंड रिसर्च सेंटर, चिरायु हेल्थ एंड मेडीकेयर प्रायवेट लिमिटेड, जवाहरलाल नेहरू कैंसर हॉस्पिटल, नवोदय कैंसर, सेवा सदन आई, आर.ए.स्टोन एंड सर्जिकल केयर, जानकी, स्मार्ट सिटी, गैस ट्रो केयर लिवर एंड डायग्नोस्टिक डिसीज सेंटर, रोशन, रेनवो चिल्ड्रन, सिद्धांता सुपर स्पेशलिटी भोपाल श्री अरविंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस सेम्स हॉस्पिटल इंदौर, गुर्जर श्री हॉस्पिटल सनावद खरगोन, रामहाई टेक हॉस्पिटल गुना और विवांता क्रिटिकल केयर प्रायवेट लिमिटेड छिंदवाड़ा को नियत तिथि अनुसार सूचीबद्ध किया गया हैं। सूचीबद्ध चिकित्सालय द्वारा शासकीय कर्मचारी एवं उनके आश्रितों का उपचार, सीजीएसएच भोपाल के पैकेज के दर अनुरूप किया जाएगा।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर, शनिवार 02 मार्च , 2024

महाशिवरात्रि पर 20 हजार से अधिक भक्त होंगे शामिल

इंदौर। महाशिवरात्रि पर पर्व पर गुटकेश्वर धाम सदुरु परिवार न्यास द्वारा 8 मार्च को किला मैदान स्थित गुटकेश्वर महादेव मंदिर रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर नगर फरियाली भंडारे का आयोजन किया गया है। इसमें 20 हजार से अधिक भक्त सम्मिलित होंगे। राम के भजनों की प्रस्तुतियां और वृंदावन के कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति भी दी जाएगी।सुबह गुटकेश्वर महादेव का वेद मंत्रों के बीच अभिषेक होगा और शाम को श्रृंगार किया जाएगा। सद्गुरु परिवार न्यास के चंद्र प्रकाश दुबे और मनीष प्रजापत ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सुबह 9ः00 बजे से गुटकेश्वर महादेव का आचार्य पंडितों की उपस्थिति में वेद मंत्रोच्चारण के बीच रुद्राभिषेक किया जाएगा। साथ ही हजारों भक्त महादेव का अभिषेक कर सकेंगे। उसके बाद शाम 6ः00 बजे गुटकेश्वर महादेव का ड्रायफ्रूट, सूखे मेवे भांग से विशेष श्रंगार किया जाएगा।शाम 7ः00 बजे से नगर फरियाली भंडारा शुरू होगा जिसमें 20 हजार से अधिक भक्तों को फरियाली खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। यह आयोजन पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर प्रसिद्ध भजन गायक मुकेश शर्मा भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। राम के भजनों पर हजारों भक्त झूमेंगे। वृंदावन के कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। महिलाओं के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था रहेगी। इस आयोजन के लिए कई कार्यकर्ताओं की टीम बनाई जा रही है, जो व्यवस्था संभालेंगे। आयोजन प्रमुख धीरज शुक्ला ने बताया कि इसमें 20 हजार से अधिक भक्तों के लिए फरियाली खिचड़ी वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इससे भी अधिक लोग आने पर उनके लिए भी व्यवस्था रहेगी।

जांच अभियान के तहत एक यात्री बस सहित तीन स्कूली वाहन जब्त

इंदौर। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर एवं संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों ,स्कूली वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसके लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत बीना परमिट तथा फिटनेस के बस चलाये जाने पर बस को जब्त किया गया। साथ ही स्कूलों में संलग्न एक वाहन और दो स्कूली वेन को भी जप्त किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत वाहनो के फ़िटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये जा रहे है। बसों में ओवरलोडिंग ,अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। यात्रियों से वाहन की स्पीड ,चालक-परिचालक के व्यवहार के संबंध में फीडबैक भी लिया जा रहा है। लोगों को अपने वाहनों पर ॥स्र्क्षनंबर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है तथा उन्हें समझाईश भी दी जा रही है। स्कूल वाहनों की विशेष चेकिंग की जा रही है जिसमें वाहन की गति ,स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। बच्चों, पालकों से चालक-परिचालक के व्यवहार के बारे में फीडबैक भी लिया जा रहा है। चेकिंग की कार्यवाही निरंतर जारी है। आज की चेकिंग में बस क्रमांक स्रूा-04-त्न-6786 बिना परमिट ,बिना फिटनेस चलती पाई गई। इस वाहन पर 1.50 लाख मोटरयान कर भी बकाया था। यह वाहन इंदौर से बरोठा(देवास) यात्रियों को ले जाते पाया गया। इस वाहन को जब्त किया गया। विभिन्न स्कूलों की बसों पर भी कार्यवाही की गई । एक स्कूली वाहन बिना फिटनेस के पाए जाने से उसे भी जब्त किया गया। साथ ही 02 स्कूली वैन को भी जब्त किया गया।

भिखारियों को पकड़ने गई टीम से युवक ने किया विवाद, मामला दर्ज

इंदौर। युवक बोला तुम्हारे कलेक्टर और सी एम की ऐसी की तैसी कर दूंगा। इंदौर को भिखारी मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और एन जी ओ मिलकर भिखारियों को पकड़ने का अभियान चला रहे है। इसी के चलते एन जी ओ को सूचना मिली थी, की नंदा नगर स्थित साईं मंदिर के बाहर कुछ भिकारी वह पर भिक मांग रहे है।सूचना पर एन जी ओ की टीम मौके पर उन्हें पकड़ने पहुंची, तो वह आनंद नमक युवक ने टीम से विवाद किया और बदसलूकी की उसने कहा की तुम गरीबों को मरवा रहे हो तुम्हारे कलेक्टर और मुख्यमंत्री की ऐसी की तैसी सबको देख लूंगा और वहा दोनो बुजुर्ग महिलाओं को भगा दिया जिसके बाद टीम ने आरोपी आनंद को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया जिस पर पर परदेशीपुरा थाना पुलिस ने आरोपी के ऊपर सरकारी काम में बंधा डालने समेत तमाम धाराओं में मामला किया है।

बॉम्बे अस्पताल से चोइथराम अस्पताल तक बनाया जाएगा ग्रीन कॉरिडोर

इंदौर। अंगदान में सबसे आगे रहने वाले इंदौर शहर में बीते कल लगभग दोपहर 12ः30 बजे से बॉम्बे हॉस्पिटल से ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा, जो बॉम्बे हॉस्पिटल से शुरु होकर सत्य साईं चौराहा, विजयनगर चौराहा, रसोमा चौराहा, एमआर 09 चौराहा, एलआईजी चौराहा, इण्डस्ट्रीज हाउस तिराहा, पलासिया तिराहा, पलासिया चौराहा, गीताभवन चौराहा, व्हाईट चर्च चौराहा, जीपीओ चौराहा इंदिरा प्रतिमा चौराहा, नवलखा चौराहा होते हुए चोइथराम अस्पताल तक होगा।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात प्रबंधन महानगर इंदौर मनीष कुमार अग्रवाल ने ग्रीन कॉरिडोर के दौरान पायलट वाहन, एंबुलेंस के सुगम यातायात के लिए दिशा निर्देश दिए हैं। इस दौरान बेहतर यातायात व्यवस्था हेतु 80 से अधिक यातायात प्रबंधन पुलिस के अधिकारी/कर्मचारी सुगम यातायात प्रदान करने में लगाए गए हैं। वाहन चालकों से भी अनुरोध है कि ग्रीन कॉरिडोर व्यवस्था में सहयोग करें।

24 अप्रैल तक चलेगी इंदौर-पुणे स्पेशल ट्रेन, अच्छी बुकिंग के चलते रेलवे ने बढ़ाई अवधि

इंदौर। लगातार यात्रियों की अच्छी संख्या के कारण पश्चिम रेलवे ने इंदौर-पुणे-इंदौर के बीच चलाई जा रही वीकली स्पेशल ट्रेन की संचालन अवधि में विस्तार कर दिया है। अब इंदौर-पुणे स्पेशल ट्रेन 24 अप्रैल तक चलाई जाएगी। पहले इसकी संचालन अवधि 28 फरवरी तय की गई थी।इसी तरह वापसी में पुणे-इंदौर वीकली स्पेशल ट्रेन अब बीते महीने 29 फरवरी के बजाय 25 अप्रैल फरवरी तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन हर बुधवार सुबह 11.15 बजे इंदौर से चलकर अगले दिन गुरुवार अलसुबह 3.10 बजे पुणे पहुंचती है। वापसी में गुरुवार सुबह यह ट्रेन पुणे से सुबह 5.10 बजे चलकर रात 11.55 बजे इंदौर आती है। इतने असुविधाजनक टाइम टेबल के बावजूद ट्रेन को अच्छी संख्या में यात्री मिलने से ज्यादातर समय सभी श्रेणियों में वेटिंग बनी रहती है। इस स्पेशल ट्रेन को दिवाली के दौरान शुरू किया जा रहा है और तब से अब तक यह ट्रेन लगातार चलाई जा रही है।

इंडस्ट्री ग्रेड का कच्चा माल कागजों पर

इंदौर। खांसी की दवा (कफ सिरप) पर केंद्र के अलर्ट के बाद अब इंदौर में दिसंबर में शुरू हुई जांच अब भी जारी है। जांच दवा कंपनियों से शुरू होकर अब कच्चा माल बेचने वाले ट्रेडर्स तक पहुंच गई है। सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएसओ) के अधिकारियों ने इंदौर में कम से कम 20 दवा कंपनियों में दिसंबर-जनवरी में जांच की थी। उन कंपनियों के बाद चेन तलाशते हुए करीब दस डीलरों तक भी जांच टीम पहुंची है। इनके यहां से दवा कंपनियों को कच्चा माल बीते वर्षों में सप्लाई हुआ था। संकेत मिले हैं कि कुछ डीलरों ने माल की गुणवत्ता में हेरफेर किया था।अफ्रीकी देशों में भारतीय कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों के बाद सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएसओ) ने दिसंबर में दिए थे। दवा में अमानक यानी औषधि नियामक के उलट सामान्य रूप से बाजार में उपलब्ध इन तत्वों का उपयोग किए जाने के आरोपों के बाद जांच हुई थी। दरअसल, ये तीनों तत्व अन्य उद्योगों में भी उपयोग होते हैं। ग्लिसरीन कॉस्मेटिक उद्योग से लेकर शराब उद्योग में उपयोग होता है। सारबिटाल मिठास के लिए कन्फेक्शनरी व अन्य खाद्य उद्योगों में इस्तेमाल होता है।दवा के मानक के अनुसार दवा बनाने में काम में आने वाली वस्तुएं इंडियन, ब्रिटिश या यूएस फार्माकोपिया (आइपी, बीपी या यूएसपी) ग्रेड की होना चाहिए। इन मानकों का पालन हो तो ये सभी तत्व ज्यादा परिष्कृत, शुद्ध और मानव हाथों से अनछुए होने चाहिए। लिहाजा आइपी या बीपी ग्रेड के कच्चे माल की कीमत भी ज्यादा होती है। कंपनियों से कफ सिरप में इस्तेमाल हो रहे कच्चे माल (एपीआई) का रिकॉर्ड लिया गया था। उस रिकार्ड से चेन खंगालते हुए अधिकारी सप्लायरों के यहां पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, दवा कंपनियों को माल आपूर्ति करने वाले इंदौर के कुछ ट्रेडर्स ने बीते वर्षों में औद्योगिक कच्चे माले को दवा के ग्रेड का बताकर सप्लाय किया था। औषधि प्रशासन विभाग अब पुराने बिलों के आधार पर आपूर्ति के आंकड़ों का मिलान कर रहा है। इस दौरान कुछ सबूत भी हाथ लगें हैं। दरअसल, पुराने बिलों की जांच की जा रही है। इसमें पता चला है कि कच्चे माल के सप्लायरों ने खरीदा तो इंडस्ट्री ग्रेड कच्चा माल था, लेकिन आपूर्ति आइपी-बीपी ग्रेड माल की बताई। यानी इन्होंने कागज पर कच्चे माल की ग्रेड बदल दी। हालांकि अभी विभाग के अधिकारी इस मामले पर कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। इंडस्ट्री के सूत्रों के अनुसार सीडीएसओ बीते दिनों इंदौर की एक दवा कंपनी को बंद करवा चुका है। कच्चे माल की आपूर्ति में गड़बड़ी के तथ्य साबित होने के बाद अब कार्रवाई के दायरे में सप्लायर भी आ सकते हैं।

कोविड से बढ़ा चलन

सप्लायरों ने ज्यादा मुनाफे के लिए ग्रेड में हेरफेर किया। दरअसल इंडस्ट्री ग्रेड का कच्चा माल सस्ता होता है, जबकि फार्मा ग्रेड का महंगा। कोविड के दौरान कच्चे माल के दाम ज्यादा उछले। चीन से आपूर्ति भी बाधित हुई। इस दौरान कई आपूर्तिकर्ताओं ने इंडस्ट्री ग्रेड के माल को आइपी का लेबल लगाकर दवा कंपनियों को दे दिया। इसमें कुछ सप्लायर ऐसे हैं जिन्होंने कास्मेटिक निर्माण के काम आने वाला ग्लिसरीन ही कफ सिरप के लिए दिया। दवा कंपनियों ने भी इसी माल से दवा का निर्माण किया।

इंदौर में 350 करोड़ की लागत से बनेगा ईएसआइसी अस्पताल

इंदौर । शहर को जल्द ही आधुनिक सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल की सौगात मिलने वाली है। नंदानगर क्षेत्र में स्थित राज्य कर्मचारी बीमा निगम के अस्पताल की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। इससे अब मरीजों को इलाज में बेहतर सुविधाएं मिलने लगेंगी। अधिकारियों ने दावा किया कि तीन माह में अस्पताल नई बिल्डिंग में संचालित होना शुरू हो जाएगा। अस्पताल को सीटी, एमआरआइ स्कैन, डायलिसिस मशीनों और अन्य चीजों जैसी आधुनिक सुविधाओं के साथ नई 500 बिस्तर क्षमता वाली इमारत में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।इमारत का सिविल कार्य लगभग पूरा हो चुका है और वर्तमान में अंतिम चरण का कार्य चल रहा है। अस्पताल के लिए 350 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की ओर से मंजूर हुए हैं। वहीं इसका निर्माण कार्य वर्ष 2021 में शुरू हुआ था। अस्पताल के शुरू हो जाने से राज्य कर्मचारी बीमा निगम संबंधित मरीजों की बीमारियों का इलाज यहीं हो पाएगा। अभी कई मरीजों को अन्य अस्पतालों में रेफर किया जाता है।

मिलेंगी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

बता दें कि अस्पताल का काम तेजी से चल रहा है। वर्षा के दिनों में भी इसका निर्माण कार्य रोका नहीं गया। इस अस्पताल को सुपर स्पेशिएलिटी की तर्ज पर बनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के तमाम साधन और सुविधाएं मरीजों को मिलेगी। अस्पताल में मरीजों की एमआरआइ, सीटी स्कैन जैसी अन्य महंगी जांचें भी हो सकेंगी। अभी तक कई जांच निजी अस्पतालों में बीमा अस्पताल द्वारा करवाई जाती थी। इसके चलते लाखों रुपये का भुगतान निजी अस्पतालों को करना पड़ता था, वहीं अस्पताल बन जाने के बाद जांच के साथ ही गंभीर बीमारियों का इलाज भी मिल सकेगा।

छह मंजिला होगा अस्पताल

करीब छह लाख वर्गफीट में निर्माण किया जा रहा अस्पताल छह मंजिला होगा। अस्पताल में मरीजों के इलाज के दौरान उनके स्वजन भी ठहर सकेंगे। मरीजों के साथ स्वजन को भी भोजन की सुविधा मिलेगी। इसके लिए मॉडर्न किचन भी तैयार किया जा रहा है।

राजस्व महाअभियान अब 10 मार्च तक चलेगा

इंदौर। लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये अब 10 मार्च तक राजस्व महाअभियान चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राजस्व महाअभियान 10 मार्च तक बढ़ाया गया है ताकि किसानों के अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जा सकें। इस अभियान के तहत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, नक्शे पर तरमीम संबंधी प्रकरणों का अधिक से अधिक निराकरण किया जा सकेगा। जिले एवं तहसील स्तर पर प्रतिदिन प्रकरणों के निराकरण की मॉनीटरिंग के लिये राजस्व महाभियान में समय-सीमा पार कर चुके लंबित प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य रखा गया था। पूर्व में इस अभियान की अंतिम तिथि 29 फरवरी थी। कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस अवधि में विशेष प्रयास कर नक्शा तरमीम, ई केवायसी सहित अन्य राजस्व प्रकरणों को शीघ्रता से निराकृत करे।

औद्योगिक क्षेत्रों को मिला 1250 करोड़ का निवेश

इंदौर। उज्जैन में शुरू हुए इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दौरान इंदौर के औद्योगिक क्षेत्रों में सीधा निवेश मिल रहा है। यहां करीब 1250 करोड़ का निवेश करने वाली इकाइयों का इस दौरान लोकार्पण व भूमिपूजन हो गया है।

इंदौर रीजन में 8 औद्योगिक क्षेत्र आते हैं और सभी जगह निवेश के लिए कंपनियां लगातार संपर्क कर रही हैं। इंदौर के औद्योगिक इलाकों में नए उद्योगों के लिए करीब 7 हजार हेक्टेयर जमीन है और वहां कंपनियों के आवेदन मिल रहे है। पीथमपुर में नया सेक्टर 7 विकसित हुआ है जिसमें करीब 100 एकड़ जमीन का आवंटन भी हो गया है। जमीन के लिए वेटिंग वेटिंग लिस्ट बन गई है। क्षेत्रीय निदेशक प्रत्युल सिन्हा के मुताबिक, उज्जैन के आयोजन के दौरान इंदौर के औद्योगिक क्षेत्रों में भूमिपूजन व लोकार्पण हो रहे है। बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इन इकाइयों के आयोजन

1 ....औद्योगिक क्षेत्र जेतपुरा पलासिया में कशिदा अपेरल की कपड़ा इकाई का लोकार्पण। करीब 108 करोड़ का कंपनी ने निवेश किया है। 1500 लोगों को रोजगार दिया जा रहा है।

2.... 550 करोड़ का निवेश करने वाली दो कंपनियों का भूमिपूजन।

3 ....पीथमपुर की स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 310 करोड़ निवेश करने वाली फार्मास्युटिकल्स कंपनी का लोकार्पण। कंपनी 1100 लोगों को रोजगार देगी।

4 ....स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में डिटर्जेंट बनाने वाली इकाई का भूमिपूजन, करीब 110 करोड़ का निवेश व एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। - पीथमपुर में एक स्किल डेवलपमेंट एकेडमी का भूमिपजन।

5 ....औद्योगिक क्षेत्र मोहना में दो पैकेजिंग इकाइयों का लोकार्पण होगा। 150 करोड़ का निवेश और 350 लोगों को रोजगार मिलेगा।

6 .... मोहना में 100 करोड़ का निवेश करने वाली टेक्निकल टेक्सटाइल इकाई और 70 करोड़ का निवेश करने वाली फार्मास्युटिकल्स कंपनी का भूमिपूजन होगा।

7 .... डकाच्या में बायोकम्प्रेषण गैस इकाई का भूमिपूजन होगा। कंपनी यहां करीब 150 करोड़ का निवेश करने वाली है।

अप्रैल तक इंदौर-पातालपानी तक जुड़ जाएगी रेल कनेक्टिविटी

इंदौर। महू-पातालपानी रेल खंड का काम अंतिम दौर में है। मार्च माह में इस 4.5 किमी रेल खंड का सीआरएस होगा। इसके बाद अप्रैल से इंदौर से पातालपानी तक रेल कनेक्टीविटी जुड़ जाएगी। बता दें कि गत वर्ष राऊ-महू (9.5 किमी) दोहरीकरण प्रोजेक्ट में एक लाइन को पातालपानी तक बढ़ा दिया गया था। इसके बाद अर्थवर्क, पुलिया, पुल निर्माण कार्य शुरू हुआ था।इस रेल खंड में आने वाले भगोरा-चौरडिया़ रेलवे फाटक को खत्म कर यहां आरओबी बनाया जा रहा है। इस खंड में 6 पुल-पुलिया बनाई जा रही है। रेल अफसरों के अनुसार, यह खंड पूरा होने के बाद हेरिटेज ट्रेन के लिए इंदौर से ही ब्राडगेज ट्रेन उपलब्ध रहेगी।महू-पातालपानी के बीच 4.5 किमी के इस प्रोजेक्ट के तहत महू रेलवे स्टेशन के यार्ड के आगे बंडा बस्ती से पातालपानी स्टेशन की ओर ब्रॉडगेज लाइन के लिए अर्थ वर्क गत वर्ष शुरू किया गया था।

रेल अफसरों के अनुसार बड़ा बस्ती के आगे एक पुलिया निर्माण अंतिम दौर में है। इसके साथ ही गुराडिया के पास भी ब्रिज का काम लगभग पूरा हो गया है। 4 मीटर ऊंचे और 25 मीटर लंबे इस ब्रिज में एक पिलर पर दो गर्डर डाली जाना है।इसके साथ भगोरा-चौरड़िया के बीच रेल फाटक-262 को खत्म कर दिया जाएगा। यहां पर आरओबी बनाया जा रहा है, ताकि वाहन बिना रूके सीधे निकल सके। पातालपानी स्टेशन के ठीक पहले भी एक माइनर ब्रिज का काम लगभग पूरा हो चुका है।

ब्राडगेज ट्रेन पहुंच सकेंगे पातालपानी

रेल अफसरों की माने तो अगले सीजन में यानी अगस्त माह में पर्यटन पातालपानी स्टेशन तक ब्राडगेज ट्रेन से जा सकेंगे। पातालपानी में ब्रॉडगेज के लिहाज से नई स्टेशन बिल्डिंग बनाई जाएगी। यहां से खंडवा के लिए बढ़िया गांव की ओर लाइन डायवर्ड हो जाएगी।

दो दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर में 15 हजार से अधिक मरीजों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार

इंदौर। संभागायुक्त मालसिंह की विशेष पहल पर इंदौर संभाग के दूरस्थ अंचलों के ग्रामीणों के उपचार के लिये विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे है। इसी सिलसिले में इंदौर संभाग के खण्डवा जिले के ग्राम खालवा में हुए वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दो दिनी शिविर में इंदौर के महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज खंडवा एवं खण्डवा के निजी क्षेत्र के चिकित्सालयों के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी। इस दो दिवसीय शिविर में 15 हजार 254 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाईयां भी दी गई। इस वृहद स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 197 ग्रामीणों की हेल्थ आईडी व 93 पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड व 50 दिव्यांगता प्रमाणपत्र भी बनाये गये। 40 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हृदय रोग से पीड़ित 87 बच्चों की ईको जांच की गई। इनमें 28 बच्चों को दिल में छेद की निःशुल्क सर्जरी के लिए इन्हें उच्च स्वास्थ्य संस्था को रेफर किया गया। केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रमाण पत्र एवं हितलाभ वितरित किये गये।

रेलवे क्लर्क के क्वार्टर में घुसे चोर

एक लाख नकद और जेवर उड़ाए, बहन के यहां प्रोग्राम में शामिल होने उज्जैन गई थी पत्नी

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा में रहने वाले रेलवे क्लर्क के क्वार्टर में चोरी हो गई। उस समय क्लर्क आफिस में थे। जबकि पत्नी घर पर ताला लगाकर उज्जैन अपनी बहन के घर पर प्रोग्राम में शामिल होने पहुंची थी। परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक घटना भंडारी ब्रिज के यहां रेलवे कॉलोनी की है। यहां रहने वाली शाहीन बी ने बताया कि वह गुरुवार को अपनी बहन नजमा के घर प्रोग्राम में शामिल होने उज्जैन गई थी। चोर ने क्वार्टर का ताला तोड़कर पेटी में रखे जेवर, जिसमें दो सोने की अंगूठी, दो सोने के मंगलसूत्र, दो सोने की नथ, दो सोने के टीके, आधा किलो चांदी के जेवर और 1 लाख रुपए चुरा लिए। जब वह घर आई तो ताले टूटे हुए देखे।

रेलवे में बाबू है पति- शाहीन बी के पति मोहम्मद हारून रेलवे में बाबू के पद पर काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक भंडारी ब्रिज के यहां कैमरे नहीं लगे हैं। आगे और पीछे की तरफ लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध को ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि अभी किसी तरह के फुटेज हाथ नहीं लगे हैं।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु किसान अब 6 मार्च तक करा सकते हैं पंजीयन

इंदौर। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन करने के लिये पंजीयन की अवधि एक मार्च तक निर्धारित की गई थी। अब प्रदेश के गेहूँ उत्पादक किसानों को समर्थन मूल्य पर खाद्यान्न विक्रय का अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के लिये किसान पंजीयन की अवधि 6 मार्च 2024 तक बढ़ा दी गयी है।

हत्या के मास्टरमाइंड के कबूलनामे पर साइन-राइटिंग अलग

इंदौर, एजेंसी। इंदौर में सात वर्षीय मासूम के मर्डर के आरोपी ने कोर्ट में कबूलनामा पेश किया है। 7 पन्ने की चिट्ठी में उसने न सिर्फ जुर्म कबूला, बल्कि दो साथियों को पाक-साफ बता दिया। हालांकि, सरकारी वकील ने इस कबूलनामे पर आपत्ति ली है। कहा है कि कबूलनामा सहानुभूति बटोरने की कोशिश है और संदिग्ध भी.. । इसके सिर्फ दस्तखत आरोपी से मेल खाते हैं, बाकी चिट्ठी की राइटिंग अलग ही है। चिट्ठी की जांच होनी चाहिए कि यह किसने लिखी यह आपत्ति करीब 15 दिन पहले ली गई थी। इस पर कोर्ट ने जेलर से रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने पूछा है कि क्या आरोपी ने कागज-पेन मांगे थे यदि हां तो क्या जेल मैनेजमेंट ने उसे दिए थे.. इसका क्या रिकॉर्ड है मामले पर अंतिम बहस 5 मार्च को होगी।

4 करोड़ रुपए की फिरौती के लिए की थी मासूम की हत्या- 5 फरवरी 2023 को इंदौर के पिगडंबर में 4 करोड़ की फिरौती के लिए 6 साल के हर्ष चौहान की हत्या कर दी गई थी। हर्ष को दो रिश्तेदार भाइयों ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर मारा था। चारों में से मुख्य आरोपी ऋतिक (पिगडंबर), उसका दोस्त विक्रांत (राऊ), हरिओम (शाजापुर) और ऋतिक का छोटा भाई जेल में हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ऋतिक और विक्रांत ने हर्ष को कार में बैठाने के बाद उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा और टेप लगाकर उसका मुंह बंद कर दिया था। साथ ही रस्सी से उसके हाथ-पैर बांध दिए थे। हत्या का मास्टर माइंड ऋतिक हर्ष के पिता जितेंद्र के भांजे विजेंद्र का भांजा है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 02 मार्च , 2024

संपादकीय

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के हौसले बुलंद...

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना भारत का पुराना सपना है। हालांकि इसके लिए संघर्ष लंबे समय से चलता आ रहा है, मगर जबसे भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक से अंतरिक्ष यान और उपग्रह प्रक्षेपण यानों के लिए क्रायोजेनिक इंजन का विकास किया है, तबसे इस दिशा में उल्लेखनीय सफलताएं मिली हैं।

चंद्रयान और आदित्य एल-वन की कामयाबी के बाद निस्संदेह अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के हौसले बुलंद हैं। अब गगनयान मिशन को लेकर उत्साह नजर आने लगा है। प्रधानमंत्री ने इस मिशन पर जाने के लिए चार वैज्ञानिकों के नामों की घोषणा भी कर दी है। वैज्ञानिक इस मिशन को लेकर खासे सावधान हैं। गगनयान की बनावट कुछ इस तरह तैयार की गई है कि उसमें यात्रा करते हुए यात्रियों को पृथ्वी जैसे वातावरण का अनुभव हो और उन्हें सुरक्षित उतारा जा सके।

फिलहाल एहतियात के तौर पर तीन मिशन भेजे जाएंगे, जिनमें से दो मानव रहित होंगे और एक में तीन यात्रियों को तीन दिन के लिए भेजा जाएगा। उन्हें समुद्र या पृथ्वी की सतह पर सुरक्षित उतार लिया जाएगा। इसके लिए तैयार किए गए गगनयान का परीक्षण सफल रहा है। यानी सब तरफ से इस मिशन की तैयारियां पूरी हैं, केवल इसके उड़ान का समय तय होना है।

दरअसल, गगनयान मिशन को इसलिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है कि यह भारत का पहला मिशन होगा, जिसमें मानवयुक्त यान अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस यान को पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है। इस तरह भारत अमेरिका, रूस, चीन जैसे देशों की श्रेणी में शुमार हो जाएगा, जो अभी तक मानवयुक्त अंतरिक्ष यान

भेज चुके हैं।

दूसरी उल्लेखनीय बात यह है कि भारत अगले दस वर्षों में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। उसमें गगनयान का योगदान महत्त्वपूर्ण होगा। अंतरिक्ष स्टेशन का मकसद दरअसल, वहां रह कर अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाना है। अभी तक भेजे गए अंतरिक्ष यानों से प्राप्त जानकारियां बहुत सीमित हैं, जबकि अंतरिक्ष का विस्तार अनंत है।

दुनिया भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के जिज्ञासा का विषय है कि अंतरिक्ष में क्या कोई ऐसा भी ग्रह है, जिस पर मनुष्य जैसे प्राणी रहते हैं या जहां मनुष्य के रहने की संभावना हो सकती है। अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित हो जाने से अंतरिक्ष के कई अछूते पक्षों को भी जानने-समझने का मौका मिल सकता है। उसमें गगनयान वैज्ञानिकों के स्टेशन तक आवागमन का माध्यम बन सकता है।

फिर, दुनिया की बदलती स्थितियों में अंतरिक्ष अनुसंधान केवल अंतरिक्ष के रहस्यों को खोलने तक सीमित नहीं है। यह एक विस्तृत कारोबार का रूप ले चुका है। पृथ्वी पर खनिजों की उपलब्धता सीमित है, जबकि मनुष्य की जरूरतें असीमित। ऐसे में दूसरे ग्रहों पर उपलब्ध खनिजों का दोहन भी भविष्य का एक सपना है। इसके लिए दुनिया की कई निजी कंपनियां भी अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपने पांव पसार रही हैं।

चंद्रमा और मंगल ग्रह पर ऐसे कुछ उपयोगी खनिजों के बारे में पता भी चला है। फिर, दूसरे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाना भी दुनिया की अनेक सरकारों का सपना है। भारत भी इसे लेकर उत्साहित है। ऐसे में गगनयान की कामयाबी भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में ऐतिहासिक और भविष्य की चुनौतियों के लिहाज से बहुत उपयोगी साबित होगी। गगनयान के अब तक के परीक्षणों से यह उत्साह स्वाभाविक है कि इसमें सफलता मिलेगी।

सोशल मीडिया से...

सूर्यघर योजना के तहत रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने वाले एक करोड़ परिवारों को 15 हजार रुपए की सालाना आमदनी भी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 फरवरी 2024 को इस योजना को लॉन्च किया था।

अनुराग ठाकुर, केंद्रीय मंत्री

मुझसे बेहतर आप जानते हो, यह पहली बार नहीं है, जब सीबीआई बुला रही है। भाजपा राजनीति कर रही है, हम पीडीए की बात कर रहे हैं तो इन सब चीजों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस भर्ती का बड़ा-बड़ा दावा किया गया था। पेपर लीक हो गया। सरकार ने जान-बूझकर पेपर लीक कराया है क्योंकि उनकी नीयत नहीं है, नौकरी देने की।

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

भाजपा को केरल में डबल डिजिट में सीट तभी मिलेंगीं, जब ये दो जीरो होंगे। भाजपा केरल का इतिहास और संस्कृति नहीं समझती है। यहां सांप्रदायिकता ज्यादा दूर नहीं चल सकती है। मैं नरेंद्र मोदी को इतना क्रेडिट दूंगा कि वे 6 पर्सेंट पार्टी को 12-13 पर्सेंट तक ले आए हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं।

शशि थरूर, कांग्रेस नेता

राज पाट नहीं मिला तो होली नहीं मनाऊंगा। उन्होंने कहा कि भर जाति का राज पाट होली के दिन छीना गया था। इसलिए मैं होली नहीं मानता हूं। अखिलेश ने अपना आदमी हमारे सिंबल पर लड़ाया था। उसी इंसान ने हमारी पार्टी से क्रॉस वोटिंग की। उस विधायक की हम सदस्यता खत्म करेंगे।

ओम प्रकाश राजभर, सुभासपा अध्यक्ष

आज का कार्टून

आखिर कांग्रेस के जमीनी नेता क्यों छोड़ रहे पार्टी...

मोदी विरोधी कह रहे हैं कि 2019 में भाजपा को 37 प्रतिशत वोट मिला था, जबकि विपक्ष को 60 प्रतिशत वोट मिला था, इसलिए वे एकजुट हो कर भाजपा को हरा देंगे। फिर राहुल गांधी का मुकाबला किससे होगा? अभी तो वह ऐसी कोई सीट नहीं ढूंढ पाए हैं, जहा वह भाजपा के उम्मीदवार को आमने सामने की टक्कर में हराएं। सीपीआई, सीपीएम और ममता बनर्जी ने उन्हें खुली चुनौती दी है कि वह अमेठी और वायनाड को भूल कर वाराणसी में मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें। जबकि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा सुरक्षित सीटें ढूंढ रहे हैं। इन दोनों ने अभी तक एलान नहीं किया है कि वे अपनी पैतृक रायबरेली और अमेठी सीटों से ही चुनाव लड़ेंगे। संकट के समय कर्नाटक इंदिरा गांधी के परिवार को सहारा देता रहा है। इंदिरा गांधी चिकमंगलूर और सोनिया गांधी बेल्लारी से चुनाव जीत चुकी हैं। लेकिन भाई बहन की कर्नाटक से चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं दिख रही।

अजय सेतिया

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध और समारोह का बॉयकॉट करने के झटके कांग्रेस को अभी भी लग रहे हैं। कांग्रेस अगर 2014 का चुनाव हारने के बाद ए.के. एंटनी कमेटी की रिपोर्ट का अध्ययन करके खुद को सुधार लेती, तो प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बॉयकॉट नहीं करती। भले ही सोनिया गांधी खुद न जाती, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी को भेज देती।

अब कांग्रेस भले ही यूपीए भंग कर के इंडी एलायंस बना ले, या राहुल गांधी की जितनी चाहे भारत जोड़ो यात्राएं करवा ले, देश का हिन्दू जनमानस उसके साथ नहीं जुड़ने वाला। मिलिंद देवड़ा या अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने के राजनीतिक कारण तो होंगे ही, लेकिन उनके दिमाग में एक बात तो बैठी ही होगी कि राहुल गांधी ने 2014 से शुरू हुई हार से सबक नहीं सीखा है, इसलिए हार का सिलसिला 2024 में भी जारी रहना है।

पिछले दस साल में देश की 80 प्रतिशत हिन्दू जनता का मोदी के प्रति विश्वास और गहरा हुआ है। उसके चार बड़े कारण हैं, जिसका इम्पेक्ट इन चुनावों में दिखेगा। कश्मीर से 370 का हटाया जाना, राम जन्मभूमि मन्दिर का बनना और नागरिकता संशोधन क़ानून। उपरोक्त तीनों ही मुद्दे हिन्दुओं से जुड़े हैं।

नागरिकता संशोधन क़ानून का भारत के नागरिकों से वैसे तो कोई सीधा संबंध नहीं है। लेकिन आसपास के मुस्लिम देशों में हिन्दुओं का जो उत्पीड़न हो रहा है, उस क़ानून का ताल्लुक उनसे है। ये तीनों ही मुद्दे मोदी के पक्ष में साईलेंट क्रांति करने वाले हैं। कोई आश्चर्य नहीं होगा कि भाजपा अपने बूते पर 350 क्रास कर ले। चौथा मुद्दा भी हिन्दुओं की आस्था का है, और वह सबसे ज्यादा आहत करने वाला मामला है।

नागरिकता संशोधन क़ानून के खिलाफ चले आन्दोलन का सभी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन किया था। राजनीतिक समर्थन अपनी जगह है। भले ही उसका कोई उचित आधार न हो, लेकिन इस आन्दोलन में जब ला इलाहा इलल्लाह के नारे लगे, तो शशि थरूर को छोड़ कर किसी विपक्षी नेता ने उस का विरोध नहीं किया। न राहुल गांधी ने, जो खुद को भगवान शिव का उपासक कहते हैं, न अरविन्द केजरीवाल ने, जो खुद को हनुमान का उपासक कहते हैं। इनके अलावा भी किसी नेता ने विरोध नही किया।

इस नारे का मतलब है अल्लाह के सिवा कोई दूसरा भगवान नहीं है। इस नारे का स्पष्ट उद्देश्य हिन्दुओं की भावनाएं आहत करना ही होता है। भारत में 80 प्रतिशत आबादी हिन्दू है। राजनीतिक विरोध में इस तरह के नारे लगा कर हिन्दुओं का मजाक उड़ाया गया, और मूर्तिपूजक राहुल गांधी, अरविन्द केजरीवाल की तरह सब विपक्षी हिन्दू तालिया बजा रहे थे। इस चुनाव में उसी का रिएक्शन देखने को मिलेगा।

मोदी विरोधी कह रहे हैं कि 2019 में भाजपा को 37 प्रतिशत वोट मिला था, जबकि विपक्ष को 60 प्रतिशत वोट मिला था, इसलिए वे एकजुट हो कर भाजपा को हरा देंगे। फिर राहुल गांधी का मुकाबला किससे होगा? अभी तो वह ऐसी कोई सीट नहीं ढूंढ पाए हैं, जहा वह भाजपा के उम्मीदवार को आमने सामने की टक्कर में हराएं।

सीपीआई, सीपीएम और ममता बनर्जी ने उन्हें खुली चुनौती दी है कि वह अमेठी और वायनाड को भूल कर वाराणसी में मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें। जबकि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा सुरक्षित सीटें ढूंढ रहे हैं। इन दोनों ने अभी तक एलान नहीं किया है कि वे अपनी पैतृक रायबरेली और अमेठी सीटों से ही चुनाव लड़ेंगे।

संकट के समय कर्नाटक इंदिरा गांधी के परिवार को सहारा देता रहा है। इंदिरा गांधी चिकमंगलूर और सोनिया गांधी बेल्लारी से चुनाव जीत चुकी हैं। लेकिन भाई बहन की कर्नाटक से चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं दिख रही। क्योंकि राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद वहां भाजपा का पलड़ा भारी है।

इंडी एलायंस बनने के बाद बिहार में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। उससे पहले पिछले तीन साल में विपक्ष महाराष्ट्र, पुदुचेरी, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सरकारों को भी गंवा चुका है। फिर विपक्ष किस बूते पर मोदी को हराने का खूवाब देख रहा है। अब तो उसके सामने हिमाचल की सरकार को बचाने की चुनौती भी खड़ी हो गई है। हाल तो यह है कि सोनिया गांधी बीमारी के बहाने यूपीए भंग करके चुनाव मैदान से ही भाग गई। वह अपनी पार्टी की सरकार होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा का चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाई, क्योंकि उन्हें पता था कि वीरभद्र सिंह का परिवार बागी हो चुका है। उन्हें पुराने वफादार अशोक गहलोत पर ही भरोसा करना पड़ा, और राजस्थान से वह राज्यसभा सांसद बन गईं।

हिमाचल के चुनाव में कांग्रेस ने वीरभद्र के चेहरे का खूब इस्तेमाल किया था, लेकिन चुनाव के बाद वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को दरकिनार कर वीरभद्र सिंह के विरोधी रहे सुखविंदर सिंह सुख्खू को मुख्यमंत्री बना दिया। यह सोनिया परिवार का घमंड था कि उन्होंने वीरभद्र सिंह के परिवार की विरासत और राजनीतिक उत्तराधिकार को दरकिनार कर दिया था। वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह को उप मुख्यमंत्री भी बना दिया होता, तो स्पष्ट बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी की राज्यसभा चुनाव में हार नहीं होती।

राममय हो गए वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह और बेटे विक्रमादित्य सिंह ने वहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का राम नाम सत्य कर दिया। विक्रमादित्य सिंह ने डेढ़ महीना पहले ही सोनिया परिवार को तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे, जब उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के उद्घाटन का न्योता स्वीकार करते हुए आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद का न्योते के लिए आभार जताया था।

एक तरह सोनिया गांधी ने न्योता ठुकरा दिया था, तो दूसरी तरफ विक्रमादित्य सिंह न्योते के लिए आरएसएस और विहिप का आभार जता रहे थे। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे में राजनीतिक समझ होती, तो विक्रमादित्य की नाराजगी दूर करने की कोशिश शुरू होती। अब विक्रमादित्य सिंह ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को हरा कर खुद भी मंत्रीमंडल से इस्तीफा दे दिया है।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की हालत यह हो गई कि विपक्ष के विधायकों को मार्शलों की मदद से बाहर निकलवा कर बजट पास करवाया गया। विपक्ष का कहना है कि कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ चुकी है। बिलकुल वैसी ही परिस्थिति पैदा हो गई है जैसे 2016 में उत्तराखंड में विपक्ष की मत विभाजन की मांग ठुकरा कर स्पीकर ने ध्वनिमत से बजट पास करवा दिया था। भाजपा ने राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया है। अब कांग्रेस स्पीकर के माध्यम से अपने उन छह विधायकों की सदस्यता खत्म करवा कर सरकार बचाने के लिए हाथ पाँव मार रही है। सवाल यह है कि उत्तरप्रदेश हो या हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र हो या झारखंड विपक्ष के बड़े बड़े नेता अपनी पार्टियां छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं। जो जमीन पर हैं, वे जमीनी हकीकत जानते हैं। इसलिए वे आए दिन थोक के भाव दलबदल कर भाजपा के साथ जा रहे हैं।

पुरु के हाथी क्यों बन गये बसपा के साथी?

इस समय बहुजन समाज पार्टी की दशा राजा पुरु वाली हो गयी है। जैसे सिकंदर से युद्ध में पुरु के हाथी ने अपनी ही सेना को रौंद दिया था, कुछ उसी तरह बसपा के सांसद और नेता अपनी पार्टी को रौंदते हुए दूसरे दलों में चले जा रहे हैं। बसपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में ऊहापोह और निराशा के मिले-जुले भाव है। निराशा इस बात की है कि पार्टी लगातार सिमटती जा रही है। फिर पार्टी के भीतर भतीजे आनंद का नाम आगे कर परिवारवाद को हवा भी दे दी गयी है। इसी उहापोह में एक-एक कर पुराने कार्यकर्ता और नेता साथ छोड़ते जा रहे हैं।

अनिल तिवारी

अंबेडकर नगर से बसपा सांसद रितेश पांडे पार्टी से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। पाला बदलने से पहले पार्टी सुप्रीमो को लिखे पत्र में अंबेडकर नगर के बसपा सांसद ने कार्यकर्ताओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। गाजीपुर से बसपा सांसद अफजाल अंसारी समाजवादी पार्टी की शरण में चले गए हैं। लोकसभा चुनाव के लिए गाज़ीपुर सीट से समाजवादी पार्टी उनकी उम्मीदवारी की घोषणा भी कर चुकी है।

भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ लोकसभा में तू-तू मैं-मैं करने वाले अमरोहा के बसपा सांसद कुंवर दानिश अली कांग्रेस से गलबहियां कर चुके हैं। इसी तरह जौनपुर के बसपा सांसद श्याम सिंह यादव राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होकर अपनी अगली मंजिल लगभग तय कर चुके हैं। बसपा से पूर्व विधायक गुड्डू जमाली गाजे बाजे के साथ सपा में चले गये हैं। बिजनौर से बसपा सांसद मलूक नागर हालांकि अभी बसपा की भाषा बोल रहे हैं लेकिन उनका एक पांव जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल में भी है। बताते हैं कि दूसरा पांव उठाने के लिए मलूक नागर माकूल अवसर की तलाश कर रहे हैं। खबर है कि कई अन्य बसपा सांसदों की निष्ठा बदल चुकी है और वे जल्द ही किसी न किसी गठबंधन का रास्ता पकड़ सकते हैं। लालगंज सीट से बसपा सांसद संगीता आजाद, श्रावस्ती के सांसद राम शिरोमणि और नगीना से पार्टी के सांसद गिरीश चंद्र पर भारतीय जनता पार्टी की नजर है। जानकार लोगों का कहना है कि उनके दल-बदल की स्क्रिप्ट लिखी जा चुकी है। बस, आधिकारिक तौर पर घोषणा की औपचारिकता ही बाकी है।

हालांकि रितेश पांडे के अलावा अभी और किसी के जाने की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों की मानें तो बहुजन समाज पार्टी के वर्तमान लगभग सभी सांसदों की दूसरे दलों के साथ हाथ मिलाने की डील पक्की हो चुकी है। चुनावी राजनीति के लिहाज से बहुजन समाज पार्टी का प्रदर्शन हाल के दिनों में काफी निराशाजनक रहा है। वर्ष 2022 में हुए प्रदेश के विधानसभा चुनाव में पार्टी मात्र एक सीट पर सिमट गई है। बलिया जिले के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से ठेकेदार उमाशंकर सिंह प्रदेश की विधानसभा में बसपा के एकमात्र प्रतिनिधि हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भी बसपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने सपा और राष्ट्रीय लोक दल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। गठबंधन को करीब 40त्न वोट मिले थे, जिसमें बसपा को लगभग 20त्न सपा को 19त्न और रालोद को 1.69 प्रतिशत वोट

मिले थे।बसपा के बारे में देखा गया है कि जब कभी वह चुनाव में उतरती है तो बहुत पहले अपने उम्मीदवार घोषित कर देती है लेकिन इस बार उसने अभी तक पार्टी के प्रभारी भी नहीं बनाए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश में बसपा का ठीक-ठाक वोट बैंक है। दलितों में पार्टी की अच्छी खासी पैठ है। वर्ष 2019 में सपा और राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन करके बसपा 10 सीटें जीतने में कामयाब हुई थी, लेकिन परिणाम आने के तत्काल बाद गठबंधन तोड़कर अलग हो गई। आज पार्टी के शुभचिंतकों में सबसे बड़ी चिंता यही है कि जब सभी राजनीतिक दल दूसरे दलों के साथ बातचीत कर अपना अपना कुनबा बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं और उत्तरोत्तर सफल भी हो रहे हैं, तो ऐसे में बसपा नेतृत्व खुद को अलग-थलग कर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी क्यों मार रहा है? वैसे भी अगर देखा जाए तो बहुजन समाज पार्टी जब भी सत्ता में पहुंची है तो उसने किसी न किसी दल का सहारा जरूर लिया है। अपवाद स्वरूप 2007 के विधानसभा चुनाव को छोड़ दिया जाए तो बहुजन समाज पार्टी हमेशा किसी न किसी दल की बैसाखी के सहारे ही खड़ी हो सकी है। 2007 में भी बसपा को जो जीत मिली थी उसमें भी प्रकारांतर से अन्य वर्गों का सहयोग लिया गया था और मिला भी था। हमेशा बहुजन हिताय की बात करने वाली बसपा 2007 का चुनाव सर्वजन हिताय के नारे पर चुनाव लड़ी थी। हाथी नहीं गणेश है का नारा भी लगा था। बसपा का एक ठोस समर्थक वर्ग है, अपने समर्थक वर्ग के साथ जब वह कभी किसी अन्य वर्ग का साथ करती है तो इसका फायदा उसे पहुंचता रहा है। वर्तमान समय में बहुजन समाज पार्टी एकला चलो का गीत गा रही है। हालांकि बसपा नेता मायावती अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई बार अपने फैसलों से समर्थकों को ही नहीं विरोधियों को भी चौंकाती रही है। लेकिन मौजूदा समय में सत्तारूढ़ गठबंधन दल जिस तरह अबकी बार, चार सौ पार का बार-बार उद्घोष कर रहा है, उससे भी अन्य लोगों के लिए स्पेस सीमित ही होता जा रहा है। बसपा के दलित वोटबैंक पर भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सबकी नजर है। मायावती की राजनीतिक निष्क्रियता ने उनके समर्थक वोटरों को भी दिशाहीन कर दिया है। जहां तक मुस्लिम वोटबैंक की बात है तो कांग्रेस सपा गठबंधन के बाद इस बात की उम्मीद कम है कि यूपी में मुस्लिम नेता या मतदाता हाथी की सवारी करेंगे। ऐसे में बसपा के लिए परिस्थितियां स्थिर या जड़वत हो गयी हैं। बहरहाल, बसपा की मौजूदा तटस्थतावाद की नीति के निहितार्थ चाहे जो भी हो लेकिन आम धारणा तो यही बन रही है कि कि जिस तरह हर मौके पर कांग्रेस की पिछलग्गू दिखने वाली वामपंथी पार्टियां देश के प्रतिनिधि मूलक संसदीय जनतंत्र से नदारद हैं, बहुजन समाज पार्टी भी धीरे-धीरे उसी गति को प्राप्त हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी स्कीम वाले स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा जून में, चार हजार विद्यार्थी भरेंगे फार्म

इंदौर । पुरानी परीक्षा स्कीम के अंतर्गत स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों को थोड़ा इंतजार करना होगा। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने यह परीक्षा जून में प्रस्तावित की है, जिसमें सिर्फ स्वाध्यायी छात्र-छात्राएं बैठ सकेंगे। इनके आवेदन की प्रक्रिया अप्रैल में शुरू की जाएगी। विद्यार्थियों को तीस दिन में परीक्षा फार्म भरना होंगे। अधिकारियों के मुताबिक इन विद्यार्थी की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी जल्द करवाया जाएगा।विश्वविद्यालय प्रशासन ने पांच मार्च से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्नातक अंतिम वर्ष रखी है, जिसमें 45 हजार विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। उसमें डेढ़ हजार छात्र-छात्राएं पुरानी परीक्षा स्कीम वाले शामिल है। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएचएससी, बीजेएमसी, बीबीए, बीसीए सहित अन्य कोर्स की परीक्षा जून तक चलेगी। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका जांचने का काम 400 शिक्षक करेंगे।

अधिकारियों के मुताबिक पुरानी परीक्षा स्कीम वाले विद्यार्थियों की परीक्षा 15 जून छात्र-छात्राओं की संख्या है। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि इन विद्यार्थियों के आवेदन अप्रैल से मई के बीच भरवाएंगे। पुरानी स्कीम में सिर्फ नौ विषय की परीक्षा होगी। इनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 20 दिन में करवाने की डेडलाइन रखी है। वे बताते है कि एनईपी और पुरानी स्कीम वाले विद्यार्थियों का रिजल्ट जुलाई में घोषित किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव की वजह से विश्वविद्यालय की परीक्षा का शेड्यूल बुरी तरह बिगड़ चुका है। अप्रैल-मई में होने वाले स्नातक प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षा दो महीने आगे बढ़ चुकी है। इन छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं जुलाई में करवाई जाएगी। दोनों पाठ्यक्रम में सवा लाख छात्र-छात्राएं है। इन्हें एकेडमी बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में भी पंजीयन करने को कहा है। वहां से आइडी बनने के बाद विद्यार्थी फॉर्म भर सकेंगे।

आरटीई के तहत अशासकीय स्कूलों में निश्शुल्क प्रवेश के लिए 3 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन

इंदौर। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिये शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के ऑनलाइन निश्शुल्क प्रवेश के लिये 03 मार्च तक 222.द्धस्रह्वष्ठ-ह्लद्बशठ्ठश्चशह्लड्डद्य.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ/ह्लह्लद्ग पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन लिये जायेंगे। पोर्टल पर त्रुटि सुधार के लिये विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदक 5 मार्च तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का केन्द्रों में सत्यापन करा सकेंगे।

आरटीई के तहत 7 मार्च, 2024 को पारदर्शी रेण्डम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी आयोजित करते हुए आवेदकों को स्कूल आवंटित किया जायेगा। आवेदकों को एसएमएस से भी सूचित किया जायेगा। लॉटरी में चयनित आवेदक 11 मार्च से 19 मार्च, 2024 तक आवंटन-पत्र डाउनलोड कर आवंटित स्कूल में प्रवेश पा सकेंगे। प्रवेश लेते समय ही संबंधित प्रायवेट स्कूल द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्ट भी दर्ज की जायेगी। प्रथम चरण की प्रक्रिया समाप्त होते ही द्वितीय चरण में प्रवेश के लिये प्रक्रिया शुरू की जायेगी। पोर्टल पर 21 मार्च, 2024 को रिक्त सीटों को प्रदर्शित किया जायेगा। द्वितीय चरण में 22 से 26 मार्च तक स्कूलों की च्वाइस अपडेट की जा सकेगी। द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी 28 मार्च को होगी और स्कूलों का आवंटन किया जायेगा। द्वितीय चरण में लॉटरी से चयनित आवेदक 30 मार्च से 5 अप्रैल, 2024 के बीच आवंटन-पत्र डाउनलोड कर आवंटित स्कूल में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी कलेक्टर को पूर्ण पारदर्शी तरीके से नियत समय में यह कार्य सम्पादित किये जाने के निर्देश जारी किये हैं।

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक में एक बार फिर संकट ने दी दस्तक

20% गिरा शेयर, 1997 के बाद न्यूनतम स्तर पर

बैंक ने कहा कि उसे सालाना रिजल्ट घोषित करने में होगी देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में एक और बैंक डूबने के कगार पर पहुंच गया है। न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक के शेयरों में एक बार फिर गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया है। इस महीने की शुरुआत में इसमें भारी गिरावट आई थी और बुधवार को भी इसमें 20 फीसदी गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही बैंक के शेयर की कीमत 1997 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। बैंक का कहना है कि उसने कंपनी कंट्रोल में मटीरियल वीकनेस की पहचान की है। इससे पिछली तिमाही में शेयरहोल्डर्स को 2.4 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे बैंक पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। बैंक के मैनेजमेंट ने जिन समस्याओं की पहचान की है, वे इंटरनेल लोन रिव्यू से जुड़ी हैं। इसका मतलब है कि बैंक में निगरानी व्यवस्था, रिस्क मैनेजमेंट और मॉनीटरिंग एक्टिविटीज में समस्या है। पिछले साल फेल हुए कई बैंकों में भी इसी तरह की समस्याएं सामने आई थीं। बैंक ने साथ ही कहा है कि वह इन समस्याओं को दूर करने पर फोकस करेगा। इस कारण उसे अपना सालाना रिजल्ट जारी करने में देरी होगी। इससे निवेशकों में खलबली मची हुई है। इसकी वजह यह है कि पिछले साल फेल हुए फर्स्ट रिपब्लिक बैंक ने भी अपने तिमाही नतीजों को जारी करने में देरी की थी। अमेरिका में करीब एक साल पहले बैंकिंग संकट ने दस्तक दी थी। इसमें तीन बड़े बैंक डूब गए थे। इनमें सिग्नेचर बैंक भी शामिल था। इसे न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने ही खरीदा था। अब यह बैंक अपना वजूद बचाने के लिए जूझ रहा है। मूडीज ने हाल में इस बैंक की क्रेडिट रेटिंग डाउनग्रेड कर दी थी। अच्छी बात यह है कि इसका 60 फीसदी एसेट्स एफडीआईसी इंश्योरेंस में कवर्ड है। सिलिकॉन वैली बैंक के मामले में यह 10 फीसदी था।

पिछले साल का संकट

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने इस महीने की शुरुआत में चौंकाने वाली घोषणा की थी। उसका कहना था कि उसे कमर्शियल रियल एस्टेट मार्केट में भारी घाटा हुआ है। मूडीज के मुताबिक बैंक कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है और उसके लिए कर्ज का भुगतान मुश्किल हो सकता है। कंपनी को साथ ही लिक्विडिटी की समस्या से भी जूझना पड़ सकता है। बैंक का एक तिहाई डिपॉजिट इंश्योरेंस के दायरे में नहीं है। अगर डिपॉजिटर्स का भरोसा डगमगाता है तो बैंक को फंडिंग और लिक्विडिटी का दबाव झेलना पड़ सकता है। भारी बिकवाली के बीच बैंक ने डिपॉजिटर्स और इन्वेस्टर्स को भरोसा जीतने की कोशिश की है। उसका कहना है कि बैंक के डिपॉजिट में 2023 की अंतिम तिमाही में मामूली तेजी आई है। अमेरिका में पिछले साल तीन बैंक डूब गए थे। यह अमेरिका में एसेट्स के हिसाब से 2008 के बाद सबसे बड़ा बैंकिंग संकट था। साल 2008 में अमेरिका में 25 बैंक डूबे थे जिनका कंबाइंड एसेट 374 अरब डॉलर था। पिछले साल सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक डूब गए थे। साल 2022 में अमेरिकी बैंकों को 620 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

अधिकारियों ने आईआईएम इंदौर में सीखा प्रबंधन का पाठ

इंदौर। आईआईएम इंदौर द्वारा यूएई और गल्फ कॉरपोरेशन काउंसिल (जीसीसी) राष्ट्रों के कार्यकारी अधिकारियों के लिए सामान्य प्रबंधन कोर्स का गुरुवार को समापन हुआ। आईआईएम परिसर में आयोजित समारोह में जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम फार एग्जीक्यूटिव्स (जीएमई) बैच 12 (जेसीबी) और बैच 13 के 73 प्रतिभागियों को निदेशक हिमांशु राय ने प्रमाण पत्र दिए।इस अवसर पर प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर मनीष पोपली, अनिसुम ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के निदेशक मनोहर पंजाबी और अनिसुमा प्रशिक्षण संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. महेश चोटरानी भी उपस्थित रहे। बैच 12 में 27 पुरुष प्रतिभागी और एक महिला प्रतिभागी शामिल थीं। ये अधिकारी सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन से थे। बैच 13 में संयुक्त अरब अमीरात से 34 पुरुष प्रतिभागी और 11 महिला प्रतिभागी शामिल हुईं।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आईआईएम डायरेक्टर प्रो. राय ने प्रतिभागियों को तीन मूल सिद्धांत 'धैर्य, आत्मनिरीक्षण व स्वभाव में गहराई से उतरने के लिए प्रोत्साहित किया आकर कहा कि आपके जीवन में अनुशासन हो यह सुनिश्चित करें। जीवन की असंख्य चुनौतियों से निपटने के लिए साहस, अनुकूलनशीलता और धैर्य अपरिहार्य गुण हैं।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को दृढ़ संकल्प के साथ विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि वर्क-लाइफ बैलेंस कठिन हो सकता है, लेकिन सचेतनता हमें वर्तमान क्षण को पूर्णता से जीने में मदद करती है। उन्होंने सभी से कहा, कि हम सभी को विनम्रता विकसित करने, जीवन के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने और सभी के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए। हर दिन एक उद्देश्य के साथ अपने अगले अध्याय को शुरू करे।

संयुक्त अरब अमीरात व जीसीसी देशों में आइआइएम के 800 एलुमनाई आइआइएम इंदौर द्वारा पिछले कुछ वर्षों में, संयुक्त अरब अमीरात और जीसीसी देशों में इस तरह के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। यही वजह है कि इन देशों में आइआइएम इंदौर के एलुमनाई की संख्या 800 से अधिक हो चुकी है। आइआइएम ने यूएई और जीसीसी देशों में सीनियर लीडर के लिए एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम से लेकर दुबई में अधिकारियों के लिए जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम सहित कई और पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इसके अलावा संस्थान ने डिजिटल दुनिया में रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन कार्यक्रम और रणनीतिक विपणन प्रबंधन कार्यक्रम भी शुरू किए हैं।

बाहरी झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया: एमपीसी सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई बाहरी झटकों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इसकी मजबूती बनाए रखने के लिए प्रति-चक्रीय व्यापक आर्थिक नीतिगत उपायों की जरूरत होगी। गोयल ने कहा कि देश में मुद्रास्फीति कम हुई है लेकिन यह अभी भी लक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन में भारत की बढ़ती आर्थिक विविधता और झटके को कम करने में नीति की भूमिका रही। इन दोनों कारकों ने कई बाहरी झटकों के बावजूद भारत को अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की। रिजर्व बैंक ने घरेलू खपत में सुधार और निजी पूंजीगत व्यय चक्र में तेजी की वजह से अगले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। जानी-मानी अर्थशास्त्री गोयल ने कहा, भू-राजनीतिक स्थिति के नाजुक होने से प्रति-चक्रीय नीति को अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक मजबूती में मदद जारी रखनी होगी। उन्होंने कहा कि उच्च वृद्धि और कर उछाल होने से घाटे और ऋण अनुपात को कम करने की गुंजाइश पैदा होती है। हालांकि उन्होंने राजस्व बढ़ने पर अत्यधिक खर्च करने के लोभ से बचने की सलाह देते हुए कहा कि 2000 के दशक के उच्च वृद्धि दौर में यही गलती की गई थी जिससे एक दशक तक व्यापक आर्थिक कमजोरी बनी रही।

गोयल ने कहा, बुरे दौर में खर्च के लायक बने रहने के लिए अच्छे समय में खर्च को प्रति-चक्रीय बनाना, बफर तैयार करना और गुंजाइश रखना बेहतर है। उन्होंने मुद्रास्फीति पर एक सवाल के जवाब में कहा कि स्वीकार्य मुद्रास्फीति और वृद्धि के लिए वास्तविक दरों को आवश्यक स्तरों पर बनाए रखने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ब्याज दरों में क्रमिक कटौती करेंगे।

टाटा से तुलना करने पर ट्रोल्स को महिंद्रा का दिलचस्प जवाब, बोले- उनसे प्रतिस्पर्धा सौभाग्य की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने महिंद्रा समूह की तुलना टाटा मोटर्स से करने वाले ट्रोल को ट्विटर पर करारा जवाब दिया है। प्लेटफॉर्म पर आयरनमैन के रूप में पहचाने जाने वाले ट्रोल ने महिंद्रा को ट्वीट किया कि उनकी कंपनी बिक्री में टाटा मोटर्स से पिछड़ गई है।

जवाब में आनंद महिंद्रा ने कहा, टाटा भारतीय ट्रक उद्योग में अग्रणी और पथप्रदर्शक रहे हैं। हम टाटा मोटर्स के वास्तुकार सुमंत मूलगांवकर की प्रशंसा करते हैं। उनके साथ जुड़ना और इस उद्योग में प्रतिस्पर्धा करना सौभाग्य की बात है। ऐसा करने में हम भारत की विनिर्माण क्षमता में योगदान करते हैं। महिंद्रा के जवाब को ट्विटर पर महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया मिले, जिसे 2.2 लाख से अधिक बार देखा गया और लगभग 4,000 लाइक्स मिले। ट्वीट का जवाब देते हुए, एक उपयोगकर्ता ने भारतीय होने के महत्व पर जोर दिया और टाटा और महिंद्रा के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हुए कहा, दोनों भारतीय खिलाड़ी हैं। एक स्वस्थ प्रतियोगिता को पोषित किया जाना चाहिए। दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे!

Paytm discontinues inter-company agreements with its payments bank

Payments firm Paytm on Friday cut some ties with its payments bank unit, which India's banking regulator has ordered to be wound down, in its latest attempt to address compliance concerns that triggered a meltdown in its shares last month. Paytm, formally known as One ~| Communications, and its banking unit mutually agreed to end various inter-company agreements, the company said. It did not specify what agreements were being terminated. Paytm Payments Bank also agreed to simplify the shareholders' agreement to support governance, independent of its shareholders, Paytm said. "Paytm and Paytm Payments Bank will not be entering into related-party transactions henceforth as per the agreement," a source familiar with company's strategy said. The source did not wish to be identified because he was not authorised to speak with the media.

Paytm, in a response to Reuters' queries, reiterated the e&change statement saying that One ~| Communications and Paytm Payments Bank are taking measures to strengthen their approach towards independent operations of the payments bank. Paytm CEO Vijay Shekhar Sharma owns a zv% stake in Paytm Payments Bank while Paytm owns the rest. The move comes days after Sharma stepped down as non-e&ecutive chairman and board member of the payments bank unit, as part of a major overhaul. The Reserve Bank of India (RBI) had asked Paytm Payments Bank to wind down operations by March vz due to persistent compliance issues and supervisory concerns. "Paytm has accepted that the payments bank license will be cancelled, but is keeping the door open to enter into financial services in the future," the source said.

Paytm's shares were up more than y% at yw® rupees the day after the announcement. "The termination of agreements ensures a complete severance of ties between Paytm and the payments bank," said Pranav Gundlapalle, senior research analyst at Bernstein, adding that continued Paytm operations after March vz was a sign that they were getting past the regulatory overhang. "Evidence that the troubles are limited to Paytm Payments Bank and further evidence that the two are going to be separate entities will drive upside (for the stock)," Gundlapalle said.

Moves including Paytm signing a new banking partner and the RBI moving to ensure the continuity of unified payments interface (UPI) transactions on the Paytm app have helped shares to recover from a record low hit in mid-February. The shares are still down almost yz% since the RBI action on Jan. xv.

पेटीएम और पीपीबीएल ने अपना आपसी समझौता रद्द किया

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बीच वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार को कहा कि निदेशक मंडल ने निर्भरता कम करने के लिए पेटीएम पेमेंट बैंक के साथ अंतर-कंपनी समझौता खत्म कर दिया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) नियामकीय निर्देशों को न मानने के कारण आरबीआई के जांच के दायरे में है। वन 97 कम्युनिकेशंस (जो पेटीएम का स्वामित्व और परिचालन करती है) ने शुक्रवार को एक वैधानिक फाइलिंग में कहा कि कंपनी और उसकी सहायक इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) ने पीपीबीएल के स्वतंत्र संचालन के प्रति अपने दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त उपायों की शुरुआत की है।

बीएसई फाइलिंग में कंपनी ने कहा, निर्भरता को कम करने के लिए इस प्रक्रिया के तहत, पेटीएम और पीपीबीएल ने पारस्परिक रूप से पेटीएम और इसकी समूह संस्थाओं के साथ विभिन्न अंतर-कंपनी समझौतों को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके अलावा पीपीबीएल के शेयरहोल्डर्स शेयरधारक समझौते (एसएचए) को सरल बनाने पर सहमत हुए हैं ताकि पीपीबीएल के संचालन को स्वतंत्र रखा जा सके। बोर्ड ने 1 मार्च, 2024 को समझौतों को समाप्त करने और स्ा में संशोधन को मंजूरी दी। पेटीएम ने पहले घोषणा की थी कि वह अन्य बैंकों के साथ नई साझेदारी पर हस्ताक्षर करेगा और अपने ग्राहकों और व्यापारियों को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के उपाय करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) और इसकी सेवाएं जिनमें पेटीएम ऐप, पेटीएम क्यूआर, पेटीएम साउंडबॉक्स और पेटीएम कार्ड मशीन शामिल हैं, निर्बाध रूप से काम करना जारी रखेंगी। पेटीएम अपने ग्राहकों के लिए बाजार अग्रणी नवाचार और प्रौद्योगिकी-सक्षम समाधानों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में एक नियामकीय कार्रवाई में रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल को 29 फरवरी के बाद ग्राहक खातों, वॉलेट, फास्टैग और अन्य उपकरणों में ताजा जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया था। सोमवार को विजय शेखर शर्मा ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष का पद छोड़ दिया और बैंक के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था। पीपीबीएल नए अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है।

दुबई में रहने वाले हवाला कारोबारी के 580 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त, ईडी ने की कार्रवाई

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव एप से जुड़े धनशोधन मामले में ताजा छापेमारी के बाद दुबई के एक हवाला कारोबारी की 580 करोड़ रुपये से अधिक की सिक्योरिटी होल्डिंग, 3.64 करोड़ रुपये की नकदी और कीमती सामान जब्त किया है।

ईडी ने 28 फरवरी को कोलकाता, गुरुग्राम, दिल्ली, इंदौर, मुंबई और रायपुर के विभिन्न परिसरों पर छापेमारी शुरू की थी। महादेव ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप की ईडी की जांच में छत्तीसगढ़ के कई उच्च पदस्थ राजनेताओं और नौकरशाहों की कथित संलिप्तता के संकेत मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने इस मामले में हवाला कारोबारी हरिशंकर टिबरेवाल की पहचान की है। वह कोलकाता का रहने वाला है लेकिन फिलहाल दुबई में रहता है। उसने महादेव एप के प्रमोटरों के साथ साझेदारी की और एक कथित अवैध सट्टेबाजी एप स्काईएक्सचेंज का स्वामित्व और संचालन भी किया। अधिकारियों ने बताया कि टिबरेबाल के पास मौजूद 580.78 करोड़ रुपये की सिक्योरिटी को ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत जब्त किया है। सूत्रों के अनुसार इन छापों में एजेंसी ने 1.86 करोड़ रुपये नकद और 1.78 करोड़ रुपये मूल्य का कीमती सामान बरामद किया है। ईडी इस मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एजेंसी ने पहले कहा था कि महादेव ऐप द्वारा उत्पन्न कथित अवैध धन का इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में राजनेताओं और नौकरशाहों को रिश्वत देने के लिए किया गया था, जहां से एप के मुख्य प्रमोटर और अन्य आरोपित हैं। ईडी ने इस मामले में अब तक दो आरोपपत्र दाखिल किए हैं जिनमें कथित गैरकानूनी सट्टेबाजी और गेमिंग एप के दो मुख्य प्रमोटरों सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया गया है। इसने पहले भी इस मामले में कई छापे मारे थे।

खुलते ही IPO पर टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ को पहले दिन निवेशकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले दिन ही 2.67 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को कल 4.07 गुना, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 1.01 गुना और नॉन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स कैटगरी में 1.60 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। बता दें, कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। मुक्का प्रोटिन्स आईपीओ का प्राइस बैंड 26 रुपये से 28 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 535 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,980 रुपये का दांव लगाना होगा। वहीं, एक रिटेल निवेशक को अधिक से अधिक 6955 शेयरों का दांव लगाना होगा। इंवेस्टर गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। कंपनी का ग्रे मार्केट में आज 28 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। यानी निवेशकों को पहले दिन 28 रुपये का फायदा हुआ। अगर ऐसा हुआ तो निवेशकों को पहले दिन 100 प्रतिशत का फायदा हो सकता है। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ का साइज 224 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 8 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी।

शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के दुष्प्रभावों को कम करता है शनि का रत्न नीलम

नीलम शनि की साढ़ेसाती का दुष्प्रभाव दूर करता है। अनुकूल होने पर धन-धान्य, सुख-सम्पत्ति, यश, आयु, बुद्धि, बल तथा वंश की वृद्धि करके चेहरे को अलौकिक आभा से युक्त एवं नेत्र ज्योति को बढ़ाता है। कहा जाता है, नीलम खोई हुई संपत्ति को वापस दिलाता है। ट्रांसपोर्ट, जमीन-जायदाद, ठेकेदारी, कारखाने, व्यापारी आदि को यह विशेष तरक्की दिलवाता है तथा नौकरी में पदोन्नति कराता है। नीलम के बारे में यह कहावत सर्वविदित है कि नीलम यदि सूट करता है तो यह रंक को भी रातों-रात राजा बनाने की क्षमता रखता है, समाज में इसके बहुधा उदाहरण हैं, कि जिन व्यक्तियों को नीलम पूर्ण रास आ गया उनकी किस्मत बहुत कम समय में मुकद्दर का सिकन्दर बनी है तथा जिनको मध्यम रास आया है उनको भी फायदा ही पहुंचा है।

शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या अगर आपके ऊपर चल रही है, तो जन्मकुंडली में सर्वप्रथम शनि की स्थिति देखें, अगर शनि कारक की भूमिका में है, तो शनि का रत्न धारण करने से चमत्कारिक लाभ साढ़ेसाती में दिखाई पड़ेगा। शनिवार के दिन शुद्ध दोष रहित नीलम लेकर चांदी अथवा सोने की अंगूठी में (जन्म कुण्डली के अनुसार) जड़वाकर प्राण-प्रतिष्ठा और मंत्रों द्वारा चैतन्य (जागृत) कर शुभ मुहूर्त में धारण करना विशेष प्रभावशाली रहता है। आइए जानते हैं नीलम को कब और कैसे धारण करना चाहिए।

नीलम दिन-दूनी रात-चौगुनी उन्नति करवाता है। शनिदेव का प्रिय रत्न नीलम यदि अनुकूल बैठ जाए तो सुख-समृद्धि एवं सफलता के द्वार खोल देता है। असली दोष रहित नीलम के अभाव में नीलम के स्थान पर उसका उपरत्न जमुनिया या नीली धारण किया जा सकता है, हालांकि इनका प्रभाव नीलम से बहुत कम होता है लेकिन होता अवश्य है। जो लोग नीलम अथवा उसका उपरत्न धारण करने में असमर्थ हों, तो वे काले घोड़े की नाल का छल्ला भी धारण कर सकते हैं। काले घोड़े की नाल का छल्ला लोहे का होता है, लोहा शनि की धातु है तथा घोड़ा श्रम का प्रतीक है।

काले घोड़े की नाल का छल्ला शनिवार के दिन धारण करने से जीवन में आ रही शनि सम्बन्धित बाधाओं से मुक्ति मिलती है। नीलम अथवा नीलम का उपरत?न अथवा काले घोड़े की नाल का छल्ला धारण करने के उपरान्त किसी भी गरीब व्यक्ति को शनिवार के दिन भोजन अवश्य कराना चाहिए। नीलम रत्न शनि ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। नीलम रत्न सूट करने पर शनि से संबंधित समस्त दोष शांत हो जाते हैं। अगर कुण्डली में शनि अकारक न हो तो मकर तथा कुंभ राशि वालों को नीलम पहनना अति शुभकारी होता है।

नीलम के विषय में कहा जाता है कि यह रत्न शीघ्रता से अपना प्रभाव दिखाता है। नीलम का प्रभाव शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार का हो सकता है। नीलम का शुभ या अशुभ प्रभाव जानने के लिए नीलम को दाएं हाथ में नीले कपड़े की सहायता से बांध लेना चाहिए अथवा रात में सोते समय अपने तकिए के नीचे रख लेना चाहिए, इससे यदि आपको कुछ नुकसान न हो तथा शुभ स्वप्न आये या शुभ समाचार मिले तो नीलम पहनना शुभ है और यदि परिस्थितियां समान रहें तथा कुछ भी महसूस न हो तो भी नीलम पहनना शुभ है, परन्तु इसके ठीक विपरीत यदि अमुक व्यक्ति के जीवन में कोई अशुभ घटना घटे, रात में कोई बुरा स्वप्न आए अथवा आंखों में पीड़ा हो तो नीलम नहीं धारण करना चाहिए।

आपके फैसलों को कैसे प्रभावित करते हैं ग्रह?

क्यों हाथ लगती है असफलता

ग्रहों का हमारे जीवन पर अच्छा और बुरा दोनों ही तरह का असर पड़ता है। खासकर जब हम कोई फैसला लेते हैं, तो हमारे ग्रहों प्रभाव भी उसके साथ जुड़ा होता है। आइए, जानते हैं आपकी सफलता से ग्रह कैसे जुड़े हैं।

ज्योतिष शास्त्र प्रत्येक व्यक्ति को सही फैसला लेने के लिए राह दिखाता है कि ग्रहों के मार्गदर्शन के अनुसार कब क्या करना है, अच्छे समय में कड़ी मेहनत और अशुभ समय में सावधानी, ज्योतिष शास्त्र का मूल मंत्र है। देखा जाए, तो सफलता की चाहत तो हर एक व्यक्ति को होती है और इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी बुद्धि एवं क्षमता अनुसार श्रम व पुरूषार्थ भी करता है लेकिन सफलता किसी-किसी को ही हासिल होती है, क्योंकि जिन्दगी की राह में कोई भी कार्य करते समय अनेक अड़चनें आना शुरू हो जाती हैं। किसी भी कार्य का प्रारम्भ करते समय अनेक प्रकार की शंकाए व्यक्ति को घेर लेती हैं। शंका सफलता की राह में अवरोधक है, जिसके कारण व्यक्ति आगे नहीं बढ़ पाता।

ग्रहों का प्रभाव कैसे पड़ता है

शंका कई बार ऐसी स्थिति पैदा कर देती है, जिसमें व्यक्ति फैसला लेने में अपने आप असमर्थ हो जाता है। सफल व्यक्तियों का मूल मंत्र है, सही समय पर लिए गए सही फैसले और उन पर समय अनुसार अमल कर कामयाबी हासिल करना। मानव का नियंत्रण स्थिति पर नहीं होता बल्कि फैसले पर होता है और ये सब व्यक्ति की सोच पर निर्भर करता है कि किसी भी परेशानी, दु:ख या संकट को व्यक्ति कैसे लेता है। कुछ लोग संकट आने पर निराश व हताश होकर संकट के आगे नतमस्तक हो जाते हैं, वहीं कुछ लोग ईश्वर की शरण में जाकर विद्वानों के सानिध्य में पूजा-पाठ, ग्रहों के उपाय आदि कर संकट का निवारण करते हैं। अनिष्ट ग्रह, संकट से भरी परिस्थितियां उत्पन्न करते हैं और ग्रहों का उपाय एवं ग्रह शांति से अनिष्ट ग्रहों के साथ उन विपरीत परिस्थितियों का दमन किया जा सकता है। ग्रह का प्रभाव व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर सर्वप्रथम पड़ता है। हर कार्य की शुरूआत एक सोच से होती है, दिमाग में पहले विचार आते हैं, उसके पश्चात् ही फैसले लिए जाते हैं। दिमाग में हर रोज हजारों विचार व शंकाएं जन्म लेती हैं। आखिर किस विचार को अहमियत दी जाए, किस शंका का समाधान पहले किया जाए, यह उलझन दिमाग में रहती है, इसमें मदद मिलती है भावनाओं से। भावनाएं दो प्रकार की होती हैं, सकारात्मक भावना और नकारात्मक भावना।

आपकी मेहनत और ग्रहों के बीच सम्बध

बड़े-बुजुर्गों का मानना है कि जिन विचारों के साथ सकारात्मक भावनाएं जुड़ी हों, उन्हीं विचारों पर फैसला लेना चाहिए क्योंकि जीवन का सबसे बड़ा रचनात्मक कार्य है, फैसलों को हकीकत में बदलना। ज्यादातर लोग विफलता से घबरा जाते हैं, उन्हें यह नहीं पता कि सफलता और विफलता एक-दूसरे के शत्रु नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। एक-दूसरे के बिना इनका अस्तित्व है ही नहीं।

आशावाद, सकारात्मक नजरिया और लगातार कोशिशों के बल पर करियर, नौकरी या किसी भी क्षेत्र में व्यक्ति अपनी किस्मत चमका सकता है, बशर्ते उसने सकारात्मक सोच के साथ सही समय पर सही फैसला लिया हो। इसलिए कहा जाता है, लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालो की कभी हार नहीं होती।

असफलता का सबसे बड़ा कारण लक्ष्य को पूरा करने के लिए या मंजिल तक पहुंचने के लिए समय-समय पर फैसलों की जरूरत पड़ती है और फैसले लेने के लिए जरूरत होती है आत्मविश्वास तथा सकारात्मक सोच की। फैसला करने में सबसे बड़ी दुविधा यह रहती है कि कहीं किया हुआ फैसला गलत न हो जाए।

कामयाबी का पहला कदम है, सही फैसला। अपनी जिन्दगी के फैसले समय अनुसार सही लेते रहें वरना कुदरत आपकी जिन्दगी के फैसले स्वयं कर देती है। सही निर्णय जहां सफलता प्रदान करता है, वहीं गलत निर्णय ही असफलता का कारण बनता है।

मंगलवार के दिन मंगलदेव को प्रसन्न करने के लिए करें मंगल का ये दान

जिन जातकों की कुंडली में मंगल दोष है उन्हें शास्त्रों में वर्णित कुछ वस्तुओं का दान करने से तात्कालिक शांति प्राप्त होती है। यह दान आप मंगलदेव के मंदिर में करते हैं तो और ज्यादा प्रभावी होता है। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर में स्थित मंगलदेव के मंदिर में मंगल का दान करने के साथ ही यदि आप मंगल पूजा और अभिषेक कराते हैं तो हमेशा के लिए मंगल दोष से मुक्ति मिल जाएगी।

मंगल देव को अर्पित करें तीन चीजें

लाल मसूर की दाल, मिश्री और गुड़। मंगलदेव को ये तीन चीजें अर्पित कर दी तो जीवन में सफलता मिलेगी और सभी दुःख दूर हो जाएंगे।

मंगल का दान

जिन लोगों की कुंडली मांगलिक होती है उन्हें प्रति मंगलवार मंगलदेव के निमित्त विशेष पूजन करना चाहिए। मंगलदेव को प्रसन्न करने के लिए उनकी प्रिय वस्तुओं जैसे लाल कपड़े का दान करना चाहिए। इसके अलावा योग्य व्यक्ति को गेहूं, गुड़, माचिस, ताम्बा, स्वर्ण, दुधारू गौ, रक्त चंदन, रक्त पुष्प, मिष्ठान्न एवं द्रव्य तथा भूमि दान करने से मंगल दोष दूर होता है।

मंगलवार को ये कार्य करें

- इस दिन लाल चंदन या चमेली के तेल में मिश्रित सिन्दूर लगाएं।
- मंगलवार ब्रह्मचर्य का दिन है। यह दिन शक्ति एकत्रित करने का दिन है।
- दक्षिण, पूर्व, आग्नेय दिशा में यात्रा कर सकते हैं।
- शस्त्र अभ्यास, शौर्य के कार्य, विवाह कार्य या मुकदमे का आरंभ करने के लिए यह उचित दिन है।
- बिजली, अग्नि या धातुओं से संबंधित वस्तुओं का क्रय-विक्रय कर सकते हैं।
- मंगलवार को ऋण चुकता करने का अच्छा दिन माना गया है। इस दिन ऋण चुकता करने से फिर कभी ऋण लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

मंगलवार को ये कार्य न करें

- मंगलवार को नमक और घी नहीं खाना चाहिए। इससे स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और हर कार्य में बाधा आती है।
- पश्चिम, वायव्य और उत्तर दिशा में इस दिन यात्रा वर्जित।
- मंगलवार को मांस खाना सबसे खराब होता है, इससे अच्छे-भले जीवन में तूफान आ सकता है।
- मंगलवार को किसी को ऋण नहीं देना चाहिए वर्ना दिया गया ऋण आसानी से मिलने वाला नहीं है।
- इस दिन भाइयों से झगड़ा नहीं करना चाहिए। हालांकि किसी भी दिन नहीं करना चाहिए।

यदि आपकी कुंडली में मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें और बारहवें भाव में स्थित है तो आपको मंगल दोष की शांति के लिए एक बार अमलनेर में स्थित मंगलदेव के प्राचीन और जागृत मंदिर में जरूर जाना चाहिए। वहां आप मंगल दोष की शांति कराते हैं तो आपका वैवाहिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा और जीवन में आप हर क्षेत्र में उन्नति करेंगे।

चंद्र देव की आराधना के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है फाल्गुन मास

धार्मिक शास्त्रों में फाल्गुन मास का बहुत महत्व माना गया है। इस बार फाल्गुन महीने का शुभारंभ हो गया है। यह माह कई धार्मिक व्रत त्योहार लेकर आ रहा है। चंद्र देव की आराधना के लिए फाल्गुन मास सबसे उपयुक्त समय होता है, क्योंकि यह चंद्रमा का जन्म माह माना जाता है। फाल्गुन मास हिन्दू पंचांग का अंतिम महीना है। इस माह से धीरे-धीरे गर्मी के दिन शुरू होने लगते हैं तथा ठंड कम होने लगती है।

फाल्गुन माह में भगवान श्री कृष्ण की आराधना का भी विशेष महत्व है, इस माह में विशेषकर भगवान श्री कृष्ण के तीन स्वरूपों की पूजा करना बहुत ही लाभदायी माना जाता है। इसमें बाल कृष्ण के स्वरूप, युवारूप कृष्ण और गुरु कृष्ण की पूजा की जा सकती है। बाल कृष्ण को संतान पाने के लिए, युवा कृष्ण को दांपत्य जीवन मधुर बनाने के लिए और गुरु कृष्ण का पूजन मोक्ष और वैराग्य पाने के लिए कृष्ण जी का पूजन करनी चाहिए।

विशेषताएं

- हिन्दू धर्म के अनुसार अनेक देवताओं में से एक हैं चंद्र देवता। चंद्र के देवता भगवान शिव है और शिव जी ने चंद्रमा को अपने सिर पर धारण कर रखा है।
- चंद्रमा का जन्म फाल्गुन में मास में होने के कारण इस महीने चंद्रमा की उपासना करने का विशेष महत्व है।
- फाल्गुन में पूरे महीने भर में चंद्र देव, भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण की उपासना करना विशेष फलदायी मानी गई है।
- इस माह की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र में आने के कारण ही इस माह का नाम फाल्गुन पड़ा है।
- फाल्गुल मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को श्री गणेश मंदिर में जाकर श्री गणेश की मूर्ति का विधिवत पूजन कर तिल से बने पदार्थों को भोग लगाने की मान्यता है तथा तिल से हवन करने के बाद व्रत पारण का बहुत महत्व है।
- फाल्गुल महीने में अपने खान-पान और जीवनचर्या में बदलाव करना बहुत ही खास माना गया हैं, क्योंकि इस माह भोजन में अनाज का प्रयोग कम करके मौसमी फलों का सेवन अधिक करने की मान्यता है।
- फाल्गुन मास को आनंद और उल्लास का महीना भी कहा जाता है।
- इस माह में संतान पाने की चाह रखने वालों को बाल कृष्ण की पूजा करनी चाहिए।

हर घर में सत्यनारायण की कथा का आयोजन होता है। आखिर यह सत्यनारायण की कथा क्या है और क्या है इसका रहस्य।

सत्यनारायण की कथा के रहस्य

- भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की कथा ही सत्यनारायण व्रत कथा है।
- सत्यनारायण व्रत कथा स्कन्दपुराण के रेवाखण्ड से संकलित की गई है।
- सत्यनारायण व्रत कथा के दो भाग हैं- व्रत-पूजा तथा कथा का श्रवण या पाठ।
- इस कथा के दो प्रमुख विषय हैं- संकल्प को भूलना और प्रसाद का अपमान करना।
- यह कथा अक्सर पूर्णिमा के दिन, बृहस्पतिवार या किसी पर्व विशेष के दिन परिवार में आयोजित की जाती है।
- सत्य को नारायण के रूप में पूजना और नारायण को ही सत्य मानना यही सत्यनारायण है। सत्य में ही सारा जगत समाया हुआ है बाकी सब माया है।
- सत्यनारायण कथा के अलग-अलग अध्यायों में छोटी कहानियों के माध्यम से बताया गया है कि सत्य का पालन न करने पर किस प्रकार की समस्या आती है और किस प्रकार प्रभु नाराज होकर दंड देते हैं या प्रसन्न होकर पुरस्कार देते हैं यह इस कथा का केंद्र बिंदू है।
- सत्यनारायण भगवान की पूजा में खासकर केले के पत्ते, नारियल, पंचफल, पंचामृत, पंचगव्य, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, तुलसी की आवश्यकता होती। इन्हें प्रसाद के रूप में फल, मिष्ठान और पंजरी अर्पित की जाती है।
- विधिवत रूप से व्रत रखने और कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं।
- इस कथा का तिरस्कार करने या मजाक उड़ाने से व्यक्ति के जीवन में संकटों की शुरुआत हो जाती है।

बुरे समय में दान-पुण्य और राम का नाम ही काम आता है

धर्मशास्त्र में बताया गया है कि व्यक्ति को अपनी कमाई में से कुछ न कुछ भाग धार्मिक कार्यों में जरुर खर्च करना चाहिए। धार्मिक कार्यों में खर्च किया गया धन व्यक्ति के बुरे समय में बहुत काम आता है। धर्म कर्म के कार्य करने से व्यक्ति को अचानक से ऐसी उपलब्धि हासिल हो जाती है जिसके बारे में न तो उसने कभी सोचा होता है।

धर्मशास्त्र अनुसार हर व्यक्ति को अपनी कमाई का कुछ न कुछ भाग धार्मिक कार्यों, मानव सेवा, सार्वजनिक कार्यों अथवा गरीब याचकों की सहायता के रूप में अवश्य खर्च करना चाहिए। कहते हैं मानव के आड़े वक्त (बुरे समय में) में उसका यह किया गया दान-पुण्य ही काम आता है। कभी-कभी दुर्घटना से भी आदमी बच जाता है तो घर की गृहणियां कहती हैं कि न जाने कौन-सा पुण्य कर्म किया जो दुर्घटना से बच गए। भगवान राम का नाम स्वयं लिखना और दूसरों से लिखने के लिए प्रेरित करने वाले की प्रभु चोट-चपेट, दुर्घटना आदि से रक्षा करते है। संकट क्या होता है, यह सच्चे राम भक्त जानते ही नहीं! ऐसा भी देखा गया है कि कभी-कभी व्यक्ति को अचानक से ऐसी उपलब्धि हासिल हो जाती है जिसके बारे में न तो उसने कभी सोचा होता है और न ही वह उसके काबिल होता है। उससे भी ज्यादा योग्य व्यक्ति उस उपलब्धि अथवा पुरस्कार से वंचित रह जाते हैं। उसको यह उपलब्धि राम नाम के पुण्य प्रताप से ही प्राप्त होती है।

राम नाम से दूर होती है अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा

राम नाम का जप करने से और लाल रंग की स्याही से श्रीराम का नाम लिखने से हनुमान जी प्रसन्न होते है जिससे शनि, राहु, केतु, अशुभ ग्रहों के असहनीय प्रकोपो से राहत मिलती है। श्री राम का नाम लेने अथवा लिखने मे इतनी शक्ति होती है कि मुश्किल से मुश्किल लगने वाले काम सरलतापूर्वक सम्पन्न हो जाते है। आनन्द रामायणम् के अनुसार राम नाम जप की अपेक्षा सौ गुना अधिक पुण्य राम नाम लिखने मे है। राम नाम लाल रंग की स्याही से लिखने से मन एकाग्र होता है तथा स्मरण शक्ति की वृद्धि होती है। संसार में 'राम' नाम से बढ़कर कुछ भी नहीं है, 'रा' उच्चारण करने से सब पाप बाहर निकल जाते हैं। 'म' के उच्चारण से कपाट बंद हो जाते हैं, जिससे पाप फिर नहीं आ सकता। पत्थर पर राम का नाम लिखकर समुद्र के पानी में फेंक देने से जब पत्थर तैरने लग गया तो भला जो मानव राम का नाम हृदय में बसा लेगा, वह तो भवसागर से निश्चित ही तर जाएगा। हारी बीमारी में जैसे जमा धन काम आता है वैसे ही मुसीबत पड़ने पर राम धन काम आता है। राम नाम कलि अभिमत दाता अर्थात् इस घोर कलियुग में केवल राम नाम समस्त मनोरथ पूर्ण करने वाला है।

श्रीराम नाम लेखन इस युग में भक्त की समस्त इच्छाएं पूरी करता है। जब कलयुग में श्रीराम नाम ही तारक है तब क्यों न इस पवित्र नाम का सहारा लेकर जीवन को सुखमय बनाया जाए। श्री राम के नाम का लेखन करने से हाथ पवित्र होते हैं और जब आप श्रीराम नाम का उच्चारण करते हैं तब जिह्वा पवित्र होती है। इसके पश्चात श्रीराम नाम लिखने से अंर्तआत्मा में श्रीराम का तेज जाग्रत होने लगता है। राम शब्द की व्यापकता केवल मन्दिरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि सृष्टि के कण-कण में व्याप्त है। राम नाम में सम्मिलित दो अक्षर ब्रह्म एवं जीव के समन्वय को प्रदर्शित करते हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार राम नाम में त्रिदेवों की शक्ति निहित है। आदिकवि वाल्मीकि जी के बारे में यह कथाएं प्रचलित है कि वे राम भी नहीं बोल सकते थे। उन्होंने मरा-मरा बोलना शुरू करके उससे निकलने वाले राम-राम के महामंत्र से स्वयं को शुद्ध कर लिया जिससे उनके हृदय में स्थित ज्ञान प्रकट हो गया और वे रामायण जैसे महाकाव्य के रचयिता बने।

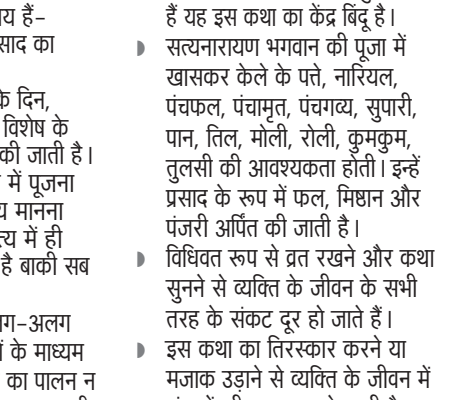

संक्षिप्त समाचार

मप्र में 15 खिलाड़ियों को नौकरी क्रिकेटर वेंकटेश बने इनकम टैक्स इंस्पेक्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। मप्र के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बन गए हैं। उन्हें गुरुवार को भोपाल मुख्यालय में 14 अन्य खिलाड़ियों के साथ नियुक्ति पत्र दिए गए। विभाग ने कुल 15 खिलाड़ियों को योग्यता अनुसार विभिन्न पदों पर नियुक्ति दी है। इनमें वेंकटेश समेत 4 क्रिकेटर, 3 एथलेटिक्स, 3 टेनिस, 3 टेबल-टेनिस, तैराकी और वॉटरस्पोर्ट्स के 1-1 खिलाड़ी शामिल हैं। इंदौर के वेंकटेश ने देश के लिए दो वनडे और 9 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। वर्तमान में कोलकाता नाइट राइडर्स से आईपीएल खेल रहे हैं। मप्र की तीनों फार्मेट की टीमों में खेल रहे हैं।

कैमरोन ग्रीन- जोश हेजलवुड की बेजोड़ जोड़ी

टेस्ट क्रिकेट में बना डाला नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरोन ग्रीन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में नॉटआउट 174 रनों का योगदान दिया। ग्रीन ने 275 गेंदों पर 23 चौके और पांच छक्कों की मदद से ये रन बनाए। डेविड वॉर्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद ग्रीन को नंबर-4 की बैटिंग पोजिशन पर आजमाया गया है और उन्होंने साबित कर दिया कि वह इस बैटिंग पोजिशन के सही हकदार भी हैं। सीरीज का पहला मैच वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 267 रनों तक 9 विकेट गंवा दिए थे और ऐसा लग रहा था कि पहली पारी में ज्यादा से ज्यादा 280 रन ही बन पाएंगे, लेकिन कैमरोन ग्रीन और जोश हेजलवुड ने मिलकर 10वें विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी निभाकर न्यूजीलैंड को पूरी तरह से बैकफुट पर ढकेल दिया।

अय्यर-इशान की अनदेखी पर बोले साहा- कुछ भी 'जबरदस्ती नहीं किया जा सकता

कोलकाता, एजेंसी। भारत के अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने गुरुवार को कहा कि अगर कोई क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलना चाहता तो कुछ भी 'जबरदस्ती नहीं किया जा सकता। हालांकि उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट आधार है और हर खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए इसे पर्याप्त महत्व देना चाहिए। साहा की प्रतिक्रिया इशान किशन और श्रेयस अय्यर को बुधवार को 2023-24 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से बाहर किए जाने के बाद आई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा था कि इशान और अय्यर के नाम पर विचार नहीं किया गया। साहा ने इशान और अय्यर को बाहर किए जाने के संदर्भ में कहा कि यह बीसीसीआई का फैसला है और संबंधित खिलाड़ियों का व्यक्तिगत निर्णय है।

महिला क्रिकेट के लिए बीसीसीआई का बड़ा कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट सबसे बड़ा खेल है। पिछले कुछ सालों में भारतीय क्रिकेट ने इतनी ज्यादा तरक्की की है जिसका कोई जवाब नहीं। टीम इंडिया में आने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को कई लेवल को पार करना पड़ा है। भारत में मेंस क्रिकेट ने तो काफी कुछ हासिल किया है, लेकिन जब बात महिला क्रिकेट को लेकर आती है तो हम थोड़े से पीछे नजर आते हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आज तक कोई भी आईसीसी खिताब नहीं जीता है। यही कारण है कि बीसीसीआई महिला क्रिकेट को लेकर काफी कुछ कर रहा है। इसी कड़ी में बीसीसीआई ने एक नए टूर्नामेंट के आयोजन का फैसाल लिया है। जिसके कारण भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ाने में और भी ज्यादा मदद मिलेगी।

टूर्नामेंट का शेड्यूल

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 29 मार्च से पुणे में एक मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला लिया है। इस मेगा टूर्नामेंट में कुछ छह टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज में हिस्सी लेंगी।

टूर्नामेंट 29 मार्च से शुरू होने वाला है और इसकी शुरुआत क्वार्टर फाइनल से होगी। क्वार्टर का मुकाबला 29, 30 और 31 मार्च को होगा। क्वार्टर के विजेता फिर सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। दोनों सेमीफाइनल एक साथ खेले जाएंगे और 5 से 7 अप्रैल तक चलेंगे।

फाइनल 9, 10 और 11 अप्रैल को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट वुमेंस प्रीमियर लीग को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 17 मार्च को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसलिए, दोनों टूर्नामेंट के बीच 11 दिन का ब्रेक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय खिलाड़ियों (घरेलू और सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दोनों) को आराम करने और रेड-बॉल क्रिकेट के लिए तैयार होने का समय मिल सके।

रेड बॉल में महिला क्रिकेट का कमाल

भारतीय महिला टीम ने हाल ही में कुछ रेड बॉल वाले इंटरनेशनल मैच खेले हैं और यह स्पष्ट है कि बीसीसीआई महिला क्रिकेटरों के लिए मल्टी डे मैचों के लिए एक घरेलू मंच प्रदान करना चाहता है। महिला टीम ने इस दौरान खेले गए टेस्ट मैचों में अपने प्रदर्शन से सभी को इंप्रेस भी किया है। टीम इंडिया ने हाल ही में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को टेस्ट मैच हराया है।

कुलदीप यादव ग्रेड ए अनुबंध के हकदार

लेकिन उनके बचपन के कोच का कहना कुछ और ही

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल देव पांडे का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके लगातार प्रदर्शन को देखते हुए यह चाइनामैन गेंदबाज ग्रेड ए वार्षिक अनुबंध का हकदार है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2023-24 सीज़न के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के लिए वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध का अनावरण किया। कुलदीप के लिए महत्वपूर्ण वेतन वृद्धि की उम्मीदों के बावजूद, उन्हें केवल ग्रेड सी से ग्रेड बी में पदोन्नत किया गया।

कुलदीप ने भारत में 2023 विश्व कप के दौरान अपने कौशल का प्रदर्शन किया, 11 मैचों में 4.45 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट के साथ 15 विकेट हासिल किए। इसके अतिरिक्त, 2023 में, उन्होंने नौ टी20 में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें 14 विकेट लिए। उनके बचपन के कोच कपिल ने बात करते हुए कहा कि कुलदीप इस समय शायद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं।

उसे ग्रेड ए में पदोन्नत किया जाना चाहिए था। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन मुझे यकीन है कि वह जल्द ही वह स्थान हासिल कर लेगा। वर्तमान में उन्हें जो भी अवसर मिल रहा है, वह जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और उनसे कहा था कि अपना हौसला बनाए रखें और किसी और चीज की चिंता न करें और केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

पहले आईपीएल से संन्यास, उसके बाद तक खेले रणजी, आज के खिलाड़ियों को सचिन तेंदुलकर से सीखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल आने के बाद से भारतीय टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी घरेलू टूर्नामेंट से दूर ही रहते हैं। शायद

ही किसी को याद हो कि विराट कोहली या रोहित शर्मा ने आखिरी बार रणजी ट्रॉफी में कब खेला था। महेंद्र सिंह धोनी समेत कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट तो छोड़ चुके हैं लेकिन आईपीएल में खेलते हैं। लेकिन अब बीसीसीआई एक्शन में है। रणजी में नहीं खेलने की वजह से ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया है। इन युवा खिलाड़ियों को सचिन तेंदुलकर से सीखना चाहिए।

रणजी से पहले आईपीएल से संन्यास

सचिन तेंदुलकर शायद एकमात्र क्रिकेटर हैं, जो आईपीएल से संन्यास लेने के बाद भी रणजी ट्रॉफी और इंटरनेशनल क्रिकेट में खेले हैं। आईपीएल 2013 सीजन खत्म होने ही सचिन ने घोषणा कर दी थी कि अब वह लीग में नहीं खेलेंगे। उसी साल सितंबर अक्टूबर में सचिन चैंपियंस लीग में उतरे। फिर वह हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में उतरे। मैच की आखिरी पारी में नाबाद अर्धशतक लगाकार सचिन ने मुंबई को जीत दिलाई थी।

टेस्ट से सबसे अंत में संन्यास

वनडे, आईपीएल, चैंपियंस लीग और रणजी ट्रॉफी के बाद सचिन ने सबसे अंत में टेस्ट मैच खेला। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई में अपना आखिरी मुकाबला खेला था। टेस्ट से संन्यास के बाद सचिन किसी लीग में नहीं खेले। पिछले कुछ सालों में जरूर और चैरिटी मैच या टूर्नामेंट में खेलते नजर आए हैं। युवा खिलाड़ियों सचिन को अपना आदर्श तो बताते हैं लेकिन उनके जैसे बनने की कोशिश नहीं करते।

घरेलू क्रिकेट खेलने का नहीं छोड़ते थे मौका

सचिन तेंदुलकर कभी भी रणजी ट्रॉफी या घरेलू क्रिकेट खेलने का मौका नहीं चूकते थे। 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई थी। इसके बाद से संन्यास तक सचिन ने 6 रणजी ट्रॉफी मैच खेले। 2012-13 के ईरानी कप में भी वह मुंबई के लिए खेले थे। दूसरी तरफ विराट कोहली ने 2012 के बाद कोई रणजी मैच नहीं खेला है। रोहित 2015 के बाद रणजी में नहीं उतरे हैं।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- खिलाड़ियों को डिजिटल सर्टिफिकेट दिए जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। खेलमंत्री ने खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिये चीजें आसान करने की अपनी योजना का ऐलान पिछले साल 29 अगस्त को किया था। उस समय एनएसएफ पोर्टल भी शुरू किया गया था।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि सरकार देश भर में रजिस्टर्ड खिलाड़ियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगी। इस पहल से खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतिभागिता को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी। डिजिटल सर्टिफिकेट में खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी की तारीफ रहेगी और यह उनकी उपलब्धियों का सबूत भी होगा। ठाकुर ने एक्स पर लिखा,'' हमारे खेल ढांचे की धुरी खिलाड़ी हैं और इसे ध्यान में रखकर खेल मंत्रालय ने उन्हें डिजिटल सर्टिफिकेट देने का अहम फैसला किया है।

खेलमंत्री ने खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिये चीजें आसान करने की अपनी योजना का ऐलान पिछले साल 29 अगस्त को किया था। उस समय एनएसएफ पोर्टल भी शुरू किया गया था। ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि खिलाड़ी सर्वोपरि नीति के अनुरूप राष्ट्रीय खेल महासंघों को डिजिलॉकर के जरिये खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट देने के लिये कहा गया है। उन्होंने कहा,'' यह फैसला एनएसएफ के खेल प्रशासन में पारदर्शिता और कुशलता को बढावा देने और खिलाड़ियों के दस्तावेजों की सुरक्षा, पहुंच और सत्यता सुनिश्चित करने के लिये लिया गया है।

केन विलियमसन 12 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में इस गलती की वजह से हुए रन आउट

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के सबसे अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेलिंगटन में जारी पहले टेस्ट की पहली पारी में रन आउट हुए। यह 2012 के बाद टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला रन आउट है।

विलियमसन साथी बल्लेबाज विल यंग के साथ हुई तालमेल की गड़बड़ी के चलते रन आउट हुए। हालांकि इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी उनके रास्ते में आए, मगर स्टार्क की इसमें कोई गलती नहीं थी। विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इस मैच में कंगारुओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कैमरून ग्रीन के शतक के दम पर 383 रन बोर्ड पर लगाए हैं। ग्रीन ने 174 रनों की नाबाद पारी खेली।

बात केन विलियमसन के रन आउट की करें तो, यह घटना न्यूजीलैंड की पारी के 5वें ओवर की है। ओवर की आखिरी गेंद पर विलियमसन मिड ऑफ की दिशा में शॉट खेलकर एक रन चुराना चाहते थे। विलियमसन तो बॉल को टैप करने के बाद तुरंत दौड़ पड़े, मगर नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े विल यंग की नजरें गेंद पर थी, जिस वजह से दोनों खिलाड़ियों के तालमेल में कमी आई और वह आपस में टकरा गए।

केन विलियमसन के 14 साल के टेस्ट करियर में ऐसा मात्र तीसरी बार हुआ है जब वह रन आउट हुए हैं। इससे पहले वह दो बार जिम्बाब्वे के खिलाफ रन आउट हो चुके हैं।

कैमरन ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

वेलिंग्टन एजेंसी। कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 10वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी कर इतिहास रच दिया। ग्रीन-हेजलवुड की जोड़ी ने वेलिंगटन टेस्ट के दूसरे दिन 10वें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने 2004 में ब्रिस्बेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 10वें विकेट के लिए जेसन गिलेस्पी और ग्लेन मैक्ग्रा द्वारा की गई 114 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह स्टैंड टेस्ट क्रिकेट में 10वें विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया का छठा 100 रन या उससे अधिक साझेदारी थी। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के डिफेंडिंग चैंपियन की शुरुआत इस मैच में ज्यादा अच्छी नहीं रही लेकिन टीम ने अपनी पहली पारी में कुल 383 रन का स्कोर खड़ा किया। यह ग्रीन की 174 रनों की नाबाद पारी थी जिसने ऑस्ट्रेलिया को एक मजबूत टोटल तक पहुंचाया। युवा ऑलराउंडर ने दिन के अंतिम ओवर में अपना दूसरा टेस्ट शतक पूरा करते हुए धैर्यपूर्ण पारी खेली। फिर, शुक्रवार को हेज़लवुड के साथ उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया। टेस्ट क्रिकेट में ग्रीन का यह दूसरा शतक था। इससे पहले पिछले साल अहमदाबाद में भारत के खिलाफ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 114 रन की पारी खेली थी।

30 किलो के कॉस्ट्यूम में सिर्फ

भंसाली ही आपको आठ राउंड लगवा सकते हैं : ऋचा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने फिल्म मेकर संजय लीला भंसाली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सिर्फ भंसाली ही एक्ट्रेस को 30 किलो के कॉस्ट्यूम में आठ राउंड लगवा सकते हैं। ऋचा चड्ढा नेटफ्लिक्स के स्लेट इवेंट में थीं, जहां उनकी अपकमिंग वेब सीरीज हीरामंडी -द डायमंड बाजार की घोषणा की गई थी। एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने भंसाली के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, संजय लीला भंसाली जैसा कोई और नहीं है, जो आपको 30 किलो के कॉस्ट्यूम में 8 राउंड लगवा सकता है। क्लोज-अप शॉट के लिए आपकी बाईं आंख से आंसू निकलवा सकता है। जब तक आप संजय लीला भंसाली के साथ काम नहीं करेंगे तब तक आपको अपनी असली क्षमता का पता नहीं चलेगा। अपकमिंग वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार से भंसाली का ओटीटी डेब्यू होगा। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख भी हैं। यह सीरीज 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित वेश्याओं और उनके संरक्षकों की कहानियों के माध्यम से हीरामंडी की सांस्कृतिक वास्तविकता की पड़ताल करती है।

एथनिक लुक में श्वेता ने ढाया कहर

हाल ही में वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने एक फोटोशूट करवाया है। उन्होंने अपने फैंस के लिए अपने एथनिक लुक की एक झलक शेयर की। कसौटी जिंदगी की फेम एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी प्रोफेशनल और निजी लाइफ के बारे में चीजें शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 52 लाख फॉलोअर्स हैं। नए फोटोशूट में श्वेता ने गुलाबी रंग का अनारकली सेट पहना हुआ है, जिसमें वह बेहद सूबसूरत लग रही हैं। भारी सुनहरे कढ़ाई वाले सूट पर मैचिंग दुपट्टा और भी खिल रहा है। मेकअप में वह पूरी तरह से आकर्षक लग रही हैं। ज्वैलरी के लिए उन्होंने भारी झुमके ही चुने। एक प्रशंसक ने पोस्ट पर कहा, आपकी सुंदरता की कोई हद नहीं है। दूसरे ने कहा, दिन-ब-दिन जवान होती जा रही हैं। श्वेता को पंजाबी फिल्म मित्रां दा ना चलदा में देखा गया था।

रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में वह विक्रम (विवेक ओबेरॉय) की पत्नी श्रुति बख्शी की भूमिका में हैं। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं।

3 साल पहले सोनम बाजवा ने दिल्ली के लड़के संग की थी स्क्रीट वेडिंग पायलट हैं हसीना के पति !

सोनम बाजवा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित नामों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2013 में पंजाबी फिल्म बेस्ट ऑफ लक से की थी। उनके चाहने वालों की गिनती में कोई कमी नहीं हैं। इसी बीच सोनम बाजवा को लेकर एक ऐसी खबर सामने आई है जिसे सुन हर कोई हैरान हो गया है। खबर है कि सोनम बाजवा शादीशुदा है। जी हां, आपने ठीक सुना। सोनम ने साल 2020 में दिल्ली बेस्ड शख्स से शादी रचाई थी। ऐसा हम नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर यूजर्स दावा कर रहे हैं। एक नेटिज़न ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर किया और दावा किया कि सोनम की शादी रक्षित अग्निहोत्री नाम के लड़के से हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो सोनम के पति वेस्ट दिल्ली के रहने वाले हैं और पेशे से पायलट हैं। उन्होंने 23 सितंबर 2020 को शादी कर ली और तब से वे बहुत निजी हैं। सोनम और रक्षित की एक कंपनी भी है जिसमें ये दोनों डायरेक्टर हैं। सोनम बाजवा की शादी की खबर उनके विशाल प्रशंसक वर्ग के लिए एक झटके के रूप में आई और उनकी प्रतिक्रियाएं इसका सबूत हैं। जैसे ही पोस्ट ट्विटर पर सामने आई, कई उपयोगकर्ता पोस्ट के टिप्पणी अनुभाग में चले गए और इस पर अपना आश्चर्य व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

जल्द मिलेगी 5 महीने से अटकी पेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कई महीनों से वृद्धावस्था पेंशन मिलने का इंतजार कर रहे सुपर सीनियर सिटिजन्स के लिए राहत की खबर है। यहां 70 साल या उससे अधिक उम्र वाले हजारों बुजुर्गों को बीते पांच महीने से बुजुर्ग श्रेणी वाली पेंशन नहीं मिल रही है। दिल्ली सरकार के मुताबिक, केंद्र सरकार की तरफ से मिलने वाले पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण पेंशन लंबित पड़ी है। सरकार ने अब केंद्र सरकार का हिस्सा भी खुद देने का फैसला किया है। फिलहाल फाइल मंजूरी के लिए वित्त विभाग के पास है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 60 साल से अधिक उम्रवालों को सरकार 2500 रुपये हर माह बुजुर्ग पेंशन देती है। 60 से 70 साल के बुजुर्गों को सरकार की तरफ से पूरी पेंशन दी जाती है। वहीं, 70 साल या उससे अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन में केंद्र सरकार की भी हिस्सेदारी होती है। सरकार के मुताबिक, बीते अक्टूबर से केंद्र सरकार ने अपने हिस्से का पैसा दिल्ली सरकार को नहीं दिया है, जिसके चलते पेंशन जारी नहीं की जा रही है। सरकार के मुताबिक, बुजुर्गों को पेंशन मिलने में हो रही देरी के कारण अब सरकार ने खुद ही सारा पैसा अपने हिस्से से देने का फैसला किया है। समाज कल्याण विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव भी बना लिया है। वित्तीय मंजूरी के लिए फाइल वित्त विभाग को भेज दी है। मगर सरकार का आरोप है कि वित्त विभाग लंबे समय से फाइल लेकर बैठी है जिसके कारण 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों का पेंशन जारी नहीं हो पा रही है। दिल्ली विधानसभा बजट सत्र में भी यह मुद्दा उठ चुका है। करोल बाग से विधायक विशेष रवि कहते हैं कि केंद्र सरकार की तरफ से पैसा नहीं मिलने के कारण यह देरी हो रही है।

सीलिंग से सहमे दिल्ली के व्यापारी, प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) संपत्तिकर जमा न करने पर संपत्तियों को सील कर रहा है। इसको लेकर व्यापारियों ने लुटियन दिल्ली में संपत्तिकर वसूलने का फॉर्मूला बदलने की मांग की है। कनॉट प्लेस क्षेत्र में अब तक 30 से अधिक संपत्तियों को सील किया जा चुका है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि हम टैक्स देने को तैयार हैं, लेकिन नियमों के तहत लिया जाए। व्यापारी चाहते हैं कि एमसीडी की तर्ज पर एनडीएमसी टैक्स की गणना करे। न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विक्रम का कहना है कि यह क्षेत्र गृह मंत्रालय के अंदर आता है, जिसको लेकर कोर्ट ने एनडीएमसी को निर्देश दिया था कि वो तय करके बताए कि किस फार्मूले के तहत टैक्स की गणना की जाएगी। अब तक फॉर्मूला तय नहीं किया गया है, क्योंकि जो भी फॉर्मूला तय किया जाएगा उसे संसद में भी पास कराना होगा। अब बिना फॉर्मूला तय किए टैक्स लगाया जा रहा है। हम टैक्स देने को तैयार हैं, लेकिन कई सौ गुना टैक्स लगा दिया जाएगा तो देना मुश्किल होगा। अब तक करीब 30 संपत्तियों को सील 1500 से अधिक को नोटिस मिल चुका है चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने इस मामले पर रविवार को व्यापारियों की बैठक बुलाई है।

महिला ने पूर्व विधायक पर लगाया रेप का आरोप, वायरल पत्र की जांच शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले चार दिनों से एक पत्र सियासी गलियारों में वायरल हो रहा है। यह पत्र सूरजपुर थाना क्षेत्र के गांव सूरजपुर में रहने वाली महिला के नाम से लिखा गया है। कथित महिला ने पत्र में पूर्व विधायक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वायरल पत्र की प्रति लेकर गुरुवार को पूर्व विधायक कमिश्नरी मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया। अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। जेवर विधानसभा सीट से भाजपा और बसपा के सिंबल पर तीन बार जीत दर्ज करा चुके एक विधायक वर्तमान में गौतमबुद्धनगर से सटी बुलंदशहर लोकसभा सीट पर टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। वह गुरुवार को कमिश्नरी मुख्यालय में अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था शिव हरि मीणा से मिले। वायरल पत्र को अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। विधायक का आरोप है कि पत्र में जिस महिला को पीड़िता बताया गया है, वास्तव में ऐसी कोई महिला नहीं है।

दिल्ली की 7 में से 4 सीटों पर चेहरे बदल सकती है भाजपा

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में इस बार भाजपा सात में से चार सीटों पर उम्मीदवार बदल सकती है। इसके लिए प्रदेश की तरफ से केंद्रीय चुनाव समिति को नाम भेजे जा चुके हैं। संभावित नामों से प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। बड़े नामों के साथ संगठन में लंबे समय से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को भी संभावितों की सूची में रखा गया है। साथ ही, दो महिला दावेदारों के नाम भी हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार नई दिल्ली, चांदनी चौक, पूर्वी दिल्ली और उत्तरी पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट का टिकट बदला जा सकता है।

नई दिल्ली सीट के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज का नाम शामिल है। बांसुरी अभी दिल्ली भाजपा में मंत्री भी हैं। यहां से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय का नाम भी संभावितों की सूची में शामिल है। इसके साथ ही, एक हाई प्रोफाइल केंद्रीय मंत्री का नाम भी दिल्ली से चल रहा है। इस पर फैसला आलाकमान को लेना है। इस सीट से केंद्रीय राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी अभी सांसद है।

हर्षवर्धन की सीट पर मंथन = चांदनी चौक लोकसभा सीट के लिए विष्णु मित्तल, प्रवीण खंडेलवाल का नाम संभावितों की सूची में रखा गया है। विष्णु मित्तल प्रदेश में उपाध्यक्ष हैं, जबकि प्रवीण खंडेलवाल व्यापारी नेता हैं और चांदनी चौक क्षेत्र से

जुड़े हैं। चांदनी चौक से वर्तमान में डॉ. हर्षवर्धन सांसद हैं। पूर्वी दिल्ली से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश में महामंत्री हर्ष मल्होत्रा का नाम प्रस्तावित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष स्वयं भी पूर्वी दिल्ली क्षेत्र से आते हैं। इस सीट से अभी क्रिकेटर गौतम गंभीर सांसद हैं। उत्तर-पश्चिमी से योगेंद्र चंदोलिया और दुष्यंत गौतम का नाम भी रखा है। गौतम भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं, जबकि चंदोलिया प्रदेश में महामंत्री हैं। यहां पिछली बार भाजपा ने टिकट बदलकर हंसराज हंस को चुनाव मैदान में उतारा था। पश्चिमी, उत्तर पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली पर दावेदारी मजबूत = पश्चिमी दिल्ली से सांसद प्रवेश वर्मा के साथ आशीष सूद का नाम भी भेजा गया है, जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के सहप्रभारी हैं। हालांकि इस सीट पर चेहरा बदले जाने की संभावना बहुत कम है। जाट बहुल इस क्षेत्र में प्रवेश वर्मा की अच्छी पकड़ मानी जाती है। इसी तरह, दक्षिणी दिल्ली सीट पर वर्तमान सांसद रमेश बिधूड़ी और उत्तर-पूर्वी पर मनोज तिवारी को बदलने की संभावना कम है। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर इस बार जल्द उम्मीदवार घोषित होने की संभावना है। भाजपा से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बार केंद्रीय नेतृत्व ने बहुत पहले नाम मांगे हैं, जिन पर केंद्रीय चुनावी समिति ने मंथन भी शुरू कर दिया है। इसे देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि वर्ष 2014 और वर्ष 2019 की तरह प्रत्याशियों के नाम घोषित करने में ज्यादा देरी नहीं होगी। पिछले दो लोकसभा चुनावों में नामांकन से कुछ दिन पहले ही प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए थे। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए दिल्ली भाजपा पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है। पार्टी की तरफ से जिला, विधानसभा और लोकसभा वार समीक्षा की जा रही है। नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए पार्टी ने अभियान शुरू किया है। इसी बीच पार्टी ने संकल्प पत्र के लिए लोगों से सुझाव मांगने के लिए अभियान शुरू किया है। पार्टी प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने औपचारिक तौर पर यह अभियान शुरू किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले हमने वर्ष 2014 व 2019 में जनता के सुझाव पर पार्टी का संकल्प पत्र तैयार किया था। हमें खुशी है कि वर्ष 2014 के 530 बिंदुओं में से 529 पर हमने काम किया। वर्ष 2019 के 234 में 222 सुझावों पर हमारी पार्टी और केंद्र सरकार ने काम किया।

जेएनयू आधी रात को फिर बनी अखाड़ा, एबीवीपी और लेफ्ट गुटों के छात्रों में हिंसक झड़प

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) आधी रात को एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया। जेएनयू में भाषा संस्थान में चुनाव समिति के सदस्यों के चयन को लेकर गुरुवार रात दो छात्र समूहों के बीच हुई हिंसक झड़प में कुछ छात्र घायल हो गए। छात्र गुटों में मारपीट के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में घायल कुछ छात्रों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक कथित वीडियो सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति कुछ छात्रों को छड़ी से पीटता दिखाई दे रहा है वहीं एक अन्य क्लिप में एक व्यक्ति छात्रों पर साइकिल फेंकते दिखाई दे रहा है। वहीं घटना के एक अन्य कथित वीडियो में भी कुछ लोग अन्य लोगों के साथ मार-पीट करते दिखाई दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी समूहों के छात्रों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस घटना पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही घायल छात्रों की संख्या के बारे में कोई जानकारी मिल सकी है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि हमें दोनों तरफ से शिकायत मिली है। हम शिकायतों की जांच कर रहे हैं। पुलिस को तीन लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। बता दें कि, जेएनयू में छात्र गुटों में झड़प का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते महीने 10 फरवरी को भी जेएनयू कैंप में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर बुलाई एक बैठक के दौरान एबीवीपी और लेफ्ट गुट के बीच झड़प हो गई थी।

तीन मार्च को ट्रैक्टर से केजीपी एक्सप्रेसवे जाम करेंगे किसान

नईदिल्ली, एजेंसी।
जेवर एयरपोर्ट की ओर जाने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से मोहना में इंटरचेंज की मांग कर रहे किसान तीन मार्च को ट्रैक्टर के माध्यम से केजीपी एक्सप्रेसवे जाम करेंगे। यह घोषणा किसानों ने गुरुवार को की। इससे पहले 19 फरवरी को भी किसानों ने केजीपी एक्सप्रेसवे को जाम किया था और उस मामले में करीब 200 से 225 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इसमें 8 किसान नेताओं को नामजद किया था। अब सवाल पैदा हो रहा कि किसान जाम को लेकर अडिग रहते हैं या फिर मुकदमा दर्ज के खौफ के चलते अपने जाम के फैसले को वापस लेते हैं।

किसानों ने गुरुवार को भी केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल के घेराव की घोषणा की हुई थी, लेकिन एसडीएम त्रिलोक चंद ने कुछ किसान नेताओं को उपायुक्त विक्रम सिंह के पास ले गए। जहां जिला उपायुक्त ने उनकी मांग के संबंध में उन्हें आश्वासन दिया। उसके बाद किसान जिला उपायुक्त के आश्वासन के बाद वापस घर लौट गए और उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री के घेराव का फैसला टाल दिया।

हालांकि, घेराव की तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही थी, लेकिन जिला उपायुक्त से मिलने के बाद किसानों ने अपना फैसला टाल दिया। इधर, गुरुवार को धरने की अध्यक्षता मोहना के रति राम ने किया। जिन्होंने खुलासा किया कि जिला उपायुक्त से मिलना बेहद अच्छा रहा, जिन्होंने अच्छी खबर मिलने का भरोसा भी दिलाया। इस दौरान अध्यक्ष के नेतृत्व में कमेटी ने 3 मार्च को केजीपी जाम करने का फैसला लिया। ईश्वर सिंह नंबरदार निवासी मोहना, राजेश तेवतिया निवासी अलावलपुर पलवल, धर्मचन्द निवासी घुघेरा पलवल, महेन्द्र सिंह चौहान निवासी औरंगाबाद पलवल, सरदार उपकार सिंह व सुरेन्द्र वशिष्ट बीएसपी नेता फरीदाबाद,सतबीर निवासी मोहना, डी.के. शर्मा निवासी पन्हेड़ा खुर्द व देवी लाम्बा निवासी जवां सहित करीब 200 से 225 व्यक्तियों पर एक्सप्रेसवे जाम करने पर मुकदमा हो चुका है।

2016 में भी हटाया था, 2017 में फिर कब्जा कर लिया; रैट माइनर वकील हसन पर डीडीए का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। डीडीए ने वकील हसन को तत्काल राहत के तौर नरेला में ईडब्ल्यूएस फ्लैट में आश्रय उपलब्ध कराया है। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया है कि सिल्कारा-बरकोट सुरंग में फंसे श्रमिकों के जीवन को बचाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के चलते परिवार को सहायता प्रदान की गई है। डीडीए के अधिकारी वकील से मिलने और उन्हें यह प्रस्ताव बताने के लिए साइट पर गए। बुधवार रात डीडीए की टीम मौके पर पहुंची थी और अस्थायी आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया है। यह सिर्फ मौखिक तौर पर आश्वासन दिया जा

वकील को रोजगार के रूप में अस्थायी राहत पर भी काम किया गया। डीडीए ने अपने बयान में कहा है कि वकील हसन इस बात से अवगत थे कि उनका मकान अतिक्रमण के दायरे में है और इसे 2016 में भी हटाया गया था, लेकिन उन्होंने 2017 में फिर से कब्जा कर लिया। यह अतिक्रमण हटाने का एक नियमित अभियान था। किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर यह कार्रवाई नहीं की गई है। डीडीए ने मदद करने की पेशकश की थी। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान अपना मकान गंवाने वाले वकील हसन ने डीडीए की मदद ठुकरा दी है। वकील ने बताया कि रहा था। आशियाना उजड़ जाने के बाद रैट माइनर वकील हसन को बच्चों के भविष्य की चिंता सता रही है। बेटी की दो मार्च को बोर्ड की परीक्षा होनी है। परिवार सड़क पर रहकर गुजर-बसर करने को मजबूर है। इधर-उधर से खाने-पीने का सामान आ रहा है। पिछले साल उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग से 41 मजदूरों को बाहर निकालने में मदद करने वाले रैट माइनर वकील हसन के खूजरी खास के श्री राम कॉलोनी में रहते हैं। उनके मकान को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अनधिकृत बताकर बुधवार को ध्वस्त कर दिया था।

मेरे पैसों से कब तक खाओगे...सुनकर तैश में आए छात्र के दोस्त, गला दबाकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गजरौला के कारोबारी प्रदीप मित्तल के बेटे यश मित्तल की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। ग्रेटर नोएडा में यश की हत्या उस वक्त हुई जब वो अपने दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। पांच दोस्तों ने मिलकर यश की बेरहमी से हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गला दबाकर हत्या करने से पहले यश को पीटा गया था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। हत्याकांड में शामिल एक आरोपी अभी फरार है। यश ग्रेटर नोएडा के बेनेट यूनिवर्सिटी में बीबीए फर्स्ट ईयर का छात्र बताया जा रहा है। दरअसल, यश मित्तल की दोस्ती गजरौला के ही रहने वाले शुभम चौधरी, रचित नागर, सुशांत वर्मा, शिवम सिंह और सुमित सिंह थी। आशंका है कि पैसे के लिए आरोपियों ने यश को अपना दोस्त बनाया। इनका मकसद उससे पैसे ऐंठना था। ऐसा अक्सर होता भी था कि वह हमेशा यश के पैसे से पार्टी करते थे। पुलिस के मुताबिक घटना के दिन भी आरोपी एक साथ बैठकर पार्टी कर रहे थे। इस बीच यश ने उनसे कहा था कि तुम मेरे पैसों से कब तक पार्टी करोगे। इसी बात को लेकर झगड़ा होने पर हत्या की बात सामने आ रही है।

सुरक्षा कारणों से मेरीलैंड स्टेट हाउस में लॉकडाउन, लोगों को अपने घरों में रहने के दिए गए थे निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनापॉलिस में मेरीलैंड की राजधानी में सुरक्षा कारणों की वजह से गुरुवार की शाम पांच बजे तक लॉकडाउन लगाया गया था। गवर्नर के कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। गवर्नर के बयान के अनुसार, सुरक्षा कारणों से मेरीलैंड स्टेट हाउस में लॉकडाउन लगाया गया है। इस समय अन्य कोई जानकारी नहीं है। बयान में आगे कहा गया, स्टाफ, कर्मियों और कम्यूनिटी के सदस्यों को सुरक्षित स्थानों पर रहकर पुलिस या कानून प्रवर्तन की तरफ से जारी निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आसपास के इलाकों में रहने वाले स्थानीय लोगों को अपने घरों में रहने के लिए कहा गया था। उन्हें अपने दरवाजों को लॉक करने के साथ घरों की बत्तियां बुझाने का आदेश दिया गया था। आधे घंटे बाद इलाके में लॉकडाउन लगाया गया। मेरीलैंड स्टेट

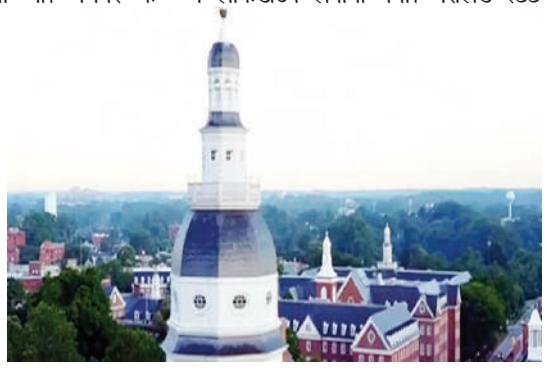

पुलिस स्टेट हाउस बिल्डिंग के भीतर शरण लेने वाले स्टाफ और कर्मियों को वहां से बाहर निकालने की कोशिश करने लगी। सैनिकों ने मेरीलैंड स्टेट हाउस में तलाशी ली।

बैरिस्टर गौहर खान फिर बने इमरान खान की पार्टी के अध्यक्ष, कई उतार-चढ़ाव के बाद हुआ फैसला

इस्लामाबाद , एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने संगठनात्मक चुनावों से अन्य सभी उम्मीदवारों की वापसी के बाद दूसरी बार अध्यक्ष पद के लिए बैरिस्टर गौहर खान के चुनाव की घोषणा की है। 71 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर से नेता बने खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में 3 मार्च को नए सिरे से संगठनात्मक चुनाव होने थे, क्योंकि इसके पहले इंट्रा-पार्टी चुनाव के नतीजे चुनाव आयोग द्वारा रद्द कर दिए गए थे। 45 वर्षीय बैरिस्टर गोहर को गुरुवार को निर्विरोध पार्टी का अध्यक्ष चुना गया और वह पार्टी में इस पद पर दो बार चुने जाने वाले एकमात्र नेता बने। पार्टी ने गुरुवार देर रात घोषणा की कि प्रधानमंत्री पद के लिए पीटीआई के उम्मीदवार उमर अयूब खान को भी पार्टी के केंद्रीय महासचिव के रूप में निर्विरोध चुना गया। डॉ. यास्मीन राशिद को पंजाब, अली अमीन गंडापुर को खैबर पख्तूनख्वा और हलीम आदिल शेख को सिंध के लिए पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुना गया, क्योंकि उनके खिलाफ किसी भी उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा था। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इमरान खान की पार्टी पीटीआई के संघीय चुनाव आयुक्त रऊफ हसन ने समाचार पत्र डॉन को बताया कि कई पार्टी नेताओं ने इंट्रा-पार्टी चुनावों के लिए पैनल के रूप में अपने नामांकन पत्र जमा किए थे, लेकिन उनमें से अधिकांश ने संगठनात्मक चुनाव से केवल दो दिन पहले अपना नामांकन वापस ले लिया।

हसन ने कहा कि अधिकांश सीटों पर विरोधियों की अनुपस्थिति में उनके पास निर्विरोध विजेताओं की घोषणा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी बलूचिस्तान के राष्ट्रपति पद के लिए क्वेटा में एक संगठनात्मक चुनाव आयोजित करेगी। पार्टी के एक बयान में कहा गया है, चुनाव का अंतिम परिणाम चुनाव प्रक्रिया के बाद 3 मार्च, 2024 को संघीय चुनाव आयुक्त द्वारा घोषित किया जाएगा। ईसीपी और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले साल दिसंबर में हुए अंतर-पार्टी चुनावों को गैरकानूनी घोषित करने के बाद से पार्टी का शीर्ष पद खाली पड़ा हुआ था। पीटीआई ने ईसीपी के निर्देश पर दिसंबर में संगठनात्मक चुनाव कराए थे। पार्टी को शीर्ष चुनावी निकाय द्वारा उसके प्रतिष्ठित क्रिकेट बल्ले के प्रतीक से वंचित कर दिया गया और गोहर, जो उन चुनावों के बाद अध्यक्ष बने थे, अब पार्टी प्रमुख नहीं थे। इससे पहले, बैरिस्टर अली जफर को पार्टी के अगले अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था। हालांकि, उन्होंने अध्यक्ष पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया और बाद में, पूर्व सत्तारूढ़ दल ने गौहर को शीर्ष पद के लिए नामित किया। 8 फरवरी के आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में बहुमत सीटें जीतीं।

चीन बोला- एलएसी पर हालात सामान्य, कहा- सीमा विवाद का मिलकर हल निकालेंगे

ड्रैगन ने देपसांग-डेमचोक से सैनिक हटाने की मांग ठुकराई थी

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने दावा किया है कि एलएसी बॉर्डर पर भारत के साथ फिलहाल स्थिति सामान्य हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा- 19 फरवरी को दोनों देशों के बीच 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर लेवल मीटिंग हुई थी। इस दौरान भारत-चीन के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। चीन ने कहा- दोनों देशों ने एलएसी को लेकर एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हल निकालने पर सहमति जताई। दरअसल, भारत ने कहा था की चुशुल-मोल्डो बॉर्डर पॉइंट पर 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर-लेवल बैठक में चीन ने देपसांग और डेमचोक के ट्रैक जंक्शन से सेना हटाने की भारत की मांग को ठुकरा दिया। दावा किया गया था कि बातचीत में दोनों देशों के बीच तनाव कम करने को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हुआ। इस पर चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- यह झूठ है। चीन के लिए दोनों देशों के बीच मिलिट्री रिलेशन्स बेहद अहम हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भारत-चीन मतभेदों को सुलझाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। इससे पहले कुछ दिन पहले हुए समिट में भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा था- चीन दादागिरी कर रहा है और भारतीय सेना बॉर्डर पर डटकर उसका सामना कर रही है। लद्दाख में मई 2020 में चीन के साथ हुए संघर्ष के बाद से अमेरिका ने खुफिया जानकारी और इक्विपमेंट के जरिए हमारी काफी मदद की है। अरमाने ने कहा- भारत इस वक्त चीन को लगभग हर मोर्चे पर टक्कर दे रहा है। जहां भी पहाड़ी है, हम वहां तैनात हैं और जहां सड़क है, हम

वहां भी मौजूद हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि जब भी सपोर्ट की जरूरत होगी, अमेरिका वहां मौजूद रहेगा। इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखना बेहद अहम है। भारत और चीन के बीच 20वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर-लेवल अक्टूबर में हुई थी। इस दौरान भारत के सैन्य अधिकारी ने चीन पर लद्दाख के देपसांग और डेमचोक से सेना हटाने का दबाव डाला था। हालांकि चीन ने तब भी इससे इनकार कर दिया था। दोनों देशों ने बॉर्डर इलाकों में जमीनी स्तर पर शांति बनाए रखने पर सहमति जताई थी। दूसरी तरफ, दिसंबर 2023 में चीन ने कश्मीर में आर्टिकल 370 को हटाने पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की निंदा की थी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा था- इस फैसले का बीजिंग पर कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत-चीन बॉर्डर का पश्चिमी हिस्सा हमेशा से चीन का रहा है। चीन ने आगे कहा था- हमने कभी भी भारत के एकतरफा और अवैध तौर पर स्थापित केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को मान्यता नहीं दी है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ये सच्चाई नहीं बदल सकती कि सीमा का पश्चिमी हिस्सा चीन का है।

पत्रकारों ने इस्लामाबाद में किया प्रदर्शन, असद अली तूर के खिलाफ एफआईआर वापस लेने की मांग की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के साथ कई प्रमुख पत्रकारों ने पत्रकार असद अली तूर के खिलाफ एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर इस्लामाबाद में नेशनल प्रेस क्लब के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकार बिरादरी ने पाकिस्तान में लगातार हो रही गिरफ्तारियों और अभिव्यक्ति की आजादी के दमन की आलोचना करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाए। पत्रकारों ने तख्तियां ले रखी थीं जिन पर लिखा था, असद तूर को रिहा करो, एक्स खोलो और इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाओ, पत्रकारिता कोई अपराध नहीं है।

एक्स पर एक पोस्ट में, पाकिस्तानी पत्रकार मुनीज़ा जहांगीर ने कहा असदतूर की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए मांग की गई कि उनके खिलाफ दर्ज की गई अस्पष्ट एफआईआर, जिसमें यह निर्दिष्ट नहीं है कि उन्होंने सरकार के बीच असुरक्षा कैसे पैदा की, को वापस लिया जाना चाहिए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।